राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 02 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-133 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

# डिजिटल इंडिया के 10 सालः प्रधानमंत्री मोदी बोले– आइए, ऐसा भारत बनाएं जो लोगों को सशक्त करे

**नई दिल्ली।**

डिजिटल इंडिया पहल के प्रारंभ हुए आज 10 साल पूरे हो गए। इस खास अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एक ब्लॉग के माध्यम से देश को संबोधित करते हुए इस परिवर्तनकारी यात्रा पर विचार साझा किए।

उन्होंने तकनीक के माध्यम से हुए व्यापक बदलावों को रेखांकित किया यऔर कहा, कि यह विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल क्रांति में से एक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा, कि दस वर्ष पहले हमने एक साहसिक यात्रा की शुरुआत की थी। कई लोगों को संदेह था कि भारत जैसे विविधतापूर्ण और विशाल देश में डिजिटल क्रांति संभव भी है या नहीं।

लेकिन आज यह सवाल 140 करोड़ भारतीयों के जीवन में आए बदलावों ने स्वयं ही उत्तर दे दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि वर्ष 2014 में इंटरनेट का दायरा सीमित था, डिजिटल साक्षरता कम थी और सरकारी सेवाओं तक ऑनलाइन पहुंच नाममात्र को ही थी।

लेकिन 10 वर्षों में भारत ने न केवल इन बाधाओं को पार किया, बल्कि दुनिया को चौंकाने वाली उपलब्धियां भी हासिल कीं।

वर्ष 2014 में जहां सिर्फ 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे, आज देश में 97 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई जा चुकी है– जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी से 11 गुना अधिक है।

भारत का 5जी रोलआउट दुनिया में सबसे तेज़ माना गया है– केवल दो वर्षों में 4.81 लाख बेस स्टेशन लगाए गए हैं, जिनमें गलवान, सियाचिन और लद्दाख जैसे दुर्गम क्षेत्र भी शामिल हैं।

### भारत स्टैक और यूपीआई, दुनिया को दिखाई नई राह

प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया स्टैक को देश की डिजिटल रीढ़ बताते हुए कहा कि इसके जरिये यूपीआई जैसी सेवाओं ने वित्तीय लेन-देन को सरल, तेज और पारदर्शी बना दिया है। उन्होंने कहा, कि आज दुनिया के आधे से ज्यादा रियल टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन भारत में होते हैं। यूपीआई पर हर साल 100 अरब से ज्यादा का लेन-देन हो रहा है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से अब तक 44 लाख करोड़ सीधे लाभार्थियों को भेजे गए, जिससे 3.48 लाख करोड़ की बचत हुई है। स्वामित्व योजना के तहत 2.4 करोड़ से अधिक प्रॉपर्टी कार्ड जारी किए गए और 6.47 लाख गांवों का डिजिटल नक्शांकन किया गया।

### नियत सही हो, तो नवाचार से बनता है नया भारत

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि जब नियत सही होती है, तो नवाचार वंचितों को सशक्त करता है। जब दृष्टिकोण समावेशी होता है, तो तकनीक उन लोगों की जिंदगी बदलती है जो अब तक हाशिए पर थे।

## अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गए ब्रिटेन के लोगों के परिजन जाएंगे कोर्ट!

**एअर इंडिया और बोइंग के खिलाफ लंदन की कानूनी फर्म से ले रहे सलाह**

**अहमदाबाद।**

12 जून को अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया 171 विमान हादसे में जान गंवाने वालों के ब्रिटेन में रह रहे परिजन अब एअर इंडिया और बोइंग के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाने पर विचार कर रहे हैं। ब्रिटेन में रहने वाले पीड़ित परिवार लंदन की कानूनी फर्म से बातचीत कर रहे हैं ताकि संभावित मुकदमे दायर किए जा सकें। **ये मुकदमे मुख्य रूप से मुआवजे की राशि बढ़ाने को लेकर हो सकते हैं।** मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इस हफ्ते यूके में रहने वाले कई परिवारों के साथ बैठकें निर्धारित की गई हैं, जिनमें कानूनी रणनीति पर चर्चा की जाएगी। इन बैठकों के बाद अगली कार्रवाई को लेकर कोई ठोस फैसला लिया जाएगा। लंदन की कानूनी फर्म ने कहा कि हम एअर इंडिया की मुख्य विमानन बीमा कंपनी टाटा एआईजी की ओर से हाल ही में की गई वित्तीय सेटलमेंट की शुरुआती पेशकशों की समीक्षा कर रहे हैं। इसके साथ ही हम अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत एअर इंडिया की उन जिम्मेदारियों की भी जांच कर रहे हैं, जिनके तहत पीड़ित परिवारों को अग्रिम भुगतान देना होता है।

## पटना एयरपोर्ट पर रखे हैं बम जो कभी भी फट जाएंगे, ईमेल मिलते ही मचा हड़कंप

**पटना।**

बिहार की राजधानी पटना के जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पटना एयरपोर्ट को धमकी भरा ईमेल मिला है। रविवार देर शाम को ईमेलके जरिए धमकी दी गई थी और दावा किया गया कि एयरपोर्ट परिसर में विस्फोटक रखे हैं, जो कभी भी फट सकते हैं। इसके बाद सीआईएसएफ और पुलिस सक्रिय हुई। हालांकि, जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। यह धमकी फर्जी निकली। जानकारी के मुताबिक एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी के मामले में पटना एयरपोर्ट थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस यह पता लगा रही है कि मेल कहां से भेजा गया इसके पीछे कौन है और उनकी मंशा क्या थी? हैरानी की बात है कि पटना एयरपोर्ट इकलौता एयरपोर्ट नहीं है, जिसे बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इससे पहले देश के कई एयरपोर्ट पर ऐसे ही फर्जी मामले सामने आ चुके हैं। पिछले 36 घंटों में देश के कई एयरपोर्ट को ऐसी धमकियां मिली हैं। वहीं यूपी के आगरा एयरपोर्ट को सोमवार को एक ईमेल आया, जिसमें बम होने का दावा किया गया था। हालांकि यह धमकी भी फर्जी निकली। आगरा पुलिस ने मामला दर्ज कर साइबर सेल को जांच सौंप दी है। इसी तरह मध्य प्रदेश के कई एयरपोर्ट को धमकी भरे ईमेल मिले। इन सभी एयरपोर्ट को एक ही पैटर्न से धमकियां मिल रही हैं। हालांकि सभी जांच में फर्जी पाए गए। इसके बावजूद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां इन ईमे के स्रोत का पता लगाने में जुटी हैं। शुरूआती जांच में ये धमकियां फर्जी निकली हैं, लेकिन एक तरह के पैटर्न ने सुरक्षा चिंताएं बढ़ा दी हैं। अब सवाल है कि आखिर इन धमकियों का मकसद क्या है? किसी खतरे की आहट है या कोई सिरफिरा यह सब कर रहा? दिल्ली में भी बीते दिनों स्कूलों को बम की धमकियां मिली थीं।

# के-6 हाइपरसोनिक मिसाइल परीक्षण को तैयार, परमाणु पनडुब्बियों पर होगी तैनात

**मारक क्षमता 8000 किलोमीटर, मिनटों में करेगी दुश्मन का नाश**

**नई दिल्ली।**

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की हैदराबाद स्थित एडवांस्ड नेवल सिस्टम्स लैबोरेटरी (एएनएसएल) द्वारा विकसित के-6 हाइपरसोनिक मिसाइल समुद्री परीक्षण के लिए तैयार है।

यह मिसाइल भारत की भविष्य की एस-5 श्रेणी की परमाणु पनडुब्बियों पर तैनात की जाएगी, जो मौजूदा अरिहंत श्रेणी से कहीं ज्यादा शक्तिशाली होंगी।

के-6 मिसाइल की सबसे बड़ी विशेषता इसकी हाइपरसोनिक गति है। यह फिर प्रवेश के दौरान मैख 7.5 की गति हासिल कर सकती है। इसकी मारक सीमा करीब 8000 किलोमीटर है, जो भारत के पहले से मौजूद के-4 (3500 किमी) और के-5 (6000 किमी) मिसाइलों से कहीं ज्यादा है। यह दुश्मन के इलाके में मिनटों में पहुंचकर टारगेट को ध्वस्त करने में सक्षम है।

के-6 मिसाइल एमआईआरवी तकनीक से लैस है यानी एक ही मिसाइल कई अलग-अलग लक्ष्यों को निशाना बना सकती है। यह तकनीक भारत को सामरिक रूप से आक्रामक-रक्षात्मक दोनों मोर्चों पर ताकत देती है। के-6 की हाइपरसोनिक गति, उच्च गतिशीलता और स्टेल्थ डिज़ाइन इसे रडार और पारंपरिक एंटी-मिसाइल सिस्टम से बचाने में सक्षम बनाते हैं। अब तक केवल अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे कुछ देशों के पास ही ऐसी हाइपरसोनिक तकनीक है या वे इस पर काम कर रहे हैं। के-6 के सफल परीक्षण के साथ भारत इस विशिष्ट वैश्विक समूह में शामिल होने जा रहा है।

के-6 का समुद्री परीक्षण आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है। यह न सिर्फ स्वदेशी रक्षा तकनीक में भारत की बढ़ती क्षमता को दर्शाता है, बल्कि यह भविष्य में समुद्री सीमाओं और रणनीतिक हितों की रक्षा में निर्णायक भूमिका निभाएगा। के-6 मिसाइल सिर्फ एक नया हथियार नहीं, बल्कि यह भारत की रणनीतिक परिभाषा को फिर से गढ़ने वाला प्रणालीगत परिवर्तन है। इससे भारत की परमाणु त्रिकोण की तीसरी टांग और ज्यादा सशक्त हो जाएगी।

## दिल्ली सहित देश के सभी बड़े शहरों की हवा में घुला ये अदृश्य खतरा....कैंसर का जन्मदाता

**केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की नई शोध में गंभीर चेतावनी**

**नई दिल्ली।**

दिल्ली सहित देश के सभी बड़े शहरों की हवा में एक नए और अदृश्य खतरे की मौजूदगी सामने आई है। ये खतरा है वोलेटाइल आर्गनिक कंपाउड (वीओसी) हवा में घुलने वाला ऐसा रसायन जो कैंसर जैसे गंभीर रोगों का कारण बन सकते हैं और वातावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। एक नई स्टडी में पूर्व केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अपर निदेशक डॉ. एस. के. त्यागी ने वीओसीकी निगरानी और नियंत्रण को लेकर गंभीर चेतावनी दी है।वीओसी वे कार्बनिक यौगिक हैं जो हवा में तेजी से वाष्पित हो जाते हैं और अन्य रासायनिक तत्वों से मिलकर खतरनाक गैसें पैदा करते हैं। यह गैसें बेंजीन, टोल्यून, जायलीन, क्लोरोफॉर्म, मिथाइल, एसीटोन जैसी होती हैं, जो न केवल कैंसर कारक हैं, बल्कि पीएम 2.5 और ओजोन निर्माण में भी प्रमुख भूमिका निभाती हैं। डॉ. त्यागी के अनुसार, भारत में वीओसी को लेकर न मानक तय हैं, न निगरानी व्यवस्था। जबकि ये पदार्थ हवा में घुलकर श्वसन, न्यूरोलॉजिकल और कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बनते हैं। दिल्ली जैसे शहरों में जहां पीएम 2.5 पहले ही चिंता का विषय है, वहीं वीओसी उसका 20-30 प्रतिशत योगदानकर्ता हैं। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने वीओसी रोकने के लिए स्टेज-1 और स्टेज-2 वेपर रिकवरी सिस्टम को पेट्रोल पंपों पर अनिवार्य किया था। तेल कंपनियों पर जुर्माना भी लगाया गया, लेकिन निगरानी की कमी के कारण सुधार अब तक अधूरा है। स्टडी में सुझाए गए अहम कदम- सभी महानगरों में वीओसी निगरानी नेटवर्क स्थापित किए जाएं। निगरानी के बाद वीओसी के लिए राष्ट्रीय मानक तय किए जाएं। राज्य सरकारें केंद्र द्वारा तय मानकों को सख्ती से लागू करें। उत्पत्ति स्थलों पर डबल सील वाल्व जैसी तकनीकें लगाई जाएं। सभी योजनाओं पर समयबद्ध और पारदर्शी कार्यान्वयन हो। दिल्ली सहित देशभर में वीओसी की तकनीकी कार्यशालाएं आयोजित हो चुकी हैं। देश-विदेश के वैज्ञानिकों ने सुझाव दिए, लेकिन अब भी काम कछुआ गति से ही हो रहा है।

# पाक ने की यूएनएससी की अध्यक्षता, भारत ने उठाया आतंकवाद का मुद्दा

**भारत ने प्रदर्शनी लगाकर पाक की आतंकवाद में भूमिका को किया उजागर**

**जेनेवा।**

पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालने के बाद मंगलवार को भारत ने 'इस्लामाबाद' की सीमा पार आतंकवाद में संलिप्तता को उजागर किया। भारत ने पहलगाम हमले का जिक्र किया, जो पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा किया गया था। यह कदम वैश्विक स्तर पर बढ़ती अस्थिरता की चिंता के बीच उठाया गया है, जब भारत ने हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। पाकिस्तान के अध्यक्ष बनने से एक दिन पहले भारत ने यूएन भवन के प्रवेश द्वार पर द ह्यूमन कॉस्ट ऑफ टेररिज्म नामक प्रदर्शनी लगाकर पाकिस्तान की आतंकवाद में भूमिका को उजागर किया, जिसमें न केवल भारत बल्कि 9/11 जैसे वैश्विक हमलों में भी उसकी संलिप्तता दिखाई गई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि यह प्रदर्शनी आतंकवाद के पीछे के दोषियों को बेनकाब करने के खिलाफ एकजुट होने की मांग के लिए है। सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान अपने खास दोस्त चीन के साथ मिलकर काम करता है। अध्यक्ष के रूप में पाकिस्तान को प्रक्रिया के नियमों और कूटनीतिक परंपराओं का पालन करना होगा, जिसमें सदस्यों को बोलने की अनुमति देना और प्रस्ताव पेश करना शामिल है। महीने का एजेंडा परिषद की बैठक के पहले दिन सर्वसम्मति से अपनाया जाता है। 2023 में रूस ने अमेरिका और अल्बानिया की अध्यक्षता के दौरान इसे अवरुद्ध किया था, जिसके कारण परिषद को अस्थायी एजेंडा के साथ काम करना पड़ा था।

अध्यक्ष के रूप में इस्लामाबाद उच्च-स्तरीय हस्ताक्षर कार्यक्रम और अपनी पसंद के विषयों पर खुली बहस के रूप में जाना जाता है। पाकिस्तान उच्च-स्तरीय बैठकें और खुली बहस आयोजित कर सकता है। इसका स्थायी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ज्यादातर बैठकों की अध्यक्षता करेंगे, लेकिन उप-प्रधानमंत्री मोहम्मद इशाक डार जैसे नेता भी शामिल हो सकते हैं। इस बीच पाकिस्तान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल पुरस्कार के लिए नामित कर सकता है, लेकिन ईरान और इजराइल-हमास संघर्ष जैसे मुद्दों पर वह रूस और चीन के साथ है, पिछले महीने ईरान पर आपातकालीन सत्र में पाकिस्तान ने अमेरिका और इजराइल के हमलों की निंदा करने की मांग की थी।

## रूस में आज कमीशन होगा आईएनएस तमाल, भारतीय नौसेना को मिलेगा नया स्टील्थ युद्धपोत

**नई दिल्ली।** भारतीय नौसेना को आज एक और अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट मिलने जा रहा है। रूस के कालिनिनग्राद स्थित यांतर शिपयार्ड में आईएनएस तमाल को आज 1 जुलाई को भव्य समारोह में कमीशन किया जाएगा। इस अवसर पर पश्चिमी नौसेना कमान के कमांडर वाइस एडमिरल संजय जे. सिंह मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम में भारत और रूस के कई शीर्ष सरकारी व रक्षा अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। आईएनएस तमाल एक मल्टी-रोल स्टील्थ फ्रिगेट है, जिसे भारत और रूस की संयुक्त साझेदारी में निर्मित किया गया है। इस युद्धपोत में 33 फीसदी स्वदेशी उपकरण शामिल हैं, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईएनएस तमाल को पश्चिमी नौसेना कमान के अधीन तैनात किया गया। यह जहाज अरब सागर और कराची के समीपवर्ती समुद्री क्षेत्र में भारत की समुद्री सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा। अत्याधुनिक हथियारों और रडार सिस्टम से लैस यह फ्रिगेट भारतीय नौसेना की शक्ति में महत्वपूर्ण वृद्धि करेगा।

# न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन पर ब्लॉगर को नशीला स्प्रे कर लूटा महंगा आईफोन

**बंगाल व मालदा पुलिस को लोकेशन देकर की कार्रवाई की मांग**

**नई दिल्ली।**

नई दिल्ली से गुवाहाटी जा रही ब्रह्मपुत्र मेल में लूटपाट की घटना सामने आई है। 2 एसी कोच में एक ब्लॉगर लुटेरों का शिकार हो गई। यह घटना तब हुई जब ट्रेन पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन स्टेशन पर रुकी थी। ब्लॉगर के मुताबिक ट्रेन में उसके अलावा अन्य यात्री भी लुटेरों का शिकार हुए हैं। यात्रियों ने इसकी शिकायत की है।

मीडिया रिपोर्ट में यात्रा ब्लॉगर देवरानी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर इस घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऊपर की बर्थ पर बैठा एक यात्री उनके पास आया और उनसे सीट को लेकर बात करने लगा। बातचीत में उसने उन पर कुछ नशीला पदार्थ स्प्रे किया। इसके बाद उन्हें कुछ समझ नहीं आया और वह बेहोश हो गई। जब उनकी आंख खुली तो उनका आईफोन 15प्रो मैक्स गायब था। उन्होंने बताया ब्रह्मपुत्र मेल में 2एसी कोच की टिकट बुक की थी उन्हें लगा कि यह कोच पूरी तरह सुरक्षित है। ट्रेन जब न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन पर रुकी, तो वह सो रही थी। मेरा फोन चार्ज होने के लिए तकिए के नीचे रखा था। देवरानी ने अपने फोन की लोकेशन को ÷फाइंड माय डिवाइस÷ ऐप से ट्रैक किया। पता चला कि उनका फोन पश्चिम बंगाल के मालदा में है।

# 52 उपग्रहों के प्रक्षेपण की प्रक्रिया को तेज़ करेगा भारत, सशस्त्र बलों के लिए जरुरी

**नई दिल्ली।**

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुश्मन के इलाके की 'गहरी' और 'लगातार' निगरानी के कारण भारत का ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा था। इस सैन्य टकराव के दौरान देश को बहुत कुछ सीखने को भी मिला। इसी सीख को ध्यान में रखकर दुश्मन के इलाके की सतत निगरानी की आवश्यकता को देखकर मोदी सरकार ने अपने सशस्त्र बलों के लिए 52 उपग्रहों के प्रक्षेपण की प्रक्रिया को तेज़ किया है। बता दें कि भारत सरकार सशस्त्र बलों के लिए 52 समर्पित उपग्रहों की लांच प्रक्रिया को तेज़ी से आगे बढ़ा रही है। इस मिशन को रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी (डीएसए) के नेतृत्व में क्रियान्वित किया जा रहा है और यह रक्षा मंत्रालय की इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (आईडीएस) के तहत संचालित हो रहा है। बात दें कि स्पेस-बेस्ड सर्विलांस (एसबीएस) कार्यक्रम के तीसरे चरण को बीते वर्ष अक्टूबर में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने मंजूरी दी थी। इसकी लागत 26,968 करोड़ रुपये है। इस परियोजना के तहत इसरो द्वारा 21 और तीन निजी कंपनियों द्वारा 31 उपग्रहों का निर्माण और प्रक्षेपण किया जाना है। उल्लेखनीय हैं कि इन उपग्रहों में से पहला उपग्रह अगले वर्ष अप्रैल तक प्रक्षेपित किया जाना है और सभी 52 उपग्रहों को 2029 के अंत तक अंतरिक्ष में तैनात किया जाएगा। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इन उपग्रहों को लो अर्थ ऑर्बिट (लीओ) और जियोस्टेशनरी ऑर्बिट में जल्दी से जल्दी भेजने के लिए समयसीमा को कम किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि जिन तीन निजी कंपनियों को अनुबंध दिए गए हैं, उन्हें उपग्रह निर्माण की गति बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि स्पेस-बेस्ड सर्विलांस के तीसरे चरण का उद्देश्य चीन और पाकिस्तान के बड़े हिस्सों के साथ-साथ हिंद महासागर क्षेत्र को भी कवर करना है, जिससे कम समय में निगरानी संभव हो सके और चित्रों की गुणवत्ता भी बेहतर हो।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# मध्यम वर्गीय परिवार नहीं फंसे ऋण के जाल में

**ऋणदाता यदि किसी प्रामाणिक कारणवश अपनी किश्त एवं ब्याज का बैंकों अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को समय पर भुगतान नहीं कर पाता है और उसका ऋण खाता यदि गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित हो जाता है तो इस संदर्भ में चूककर्ता ऋणदाता द्वारा बैकों को समझौता प्रस्ताव दिए जाने का प्रावधान भी है। इस समझौता प्रस्ताव के माध्यम से चूककर्ता ऋणदाता द्वारा सम्बंधित बैंक अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को मासिक किश्त एवं ब्याज की राशि को पुनर्निर्धारित किए जाने के सम्बंध में निवेदन किया जा सकता है।**

(लेखक-प्रहलाद सबनानी)

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी की है। इसके साथ ही, निजी क्षेत्र के बैंकों, सरकारी क्षेत्र के बैंकों एवं क्रेडिट कार्ड कम्पनियों सहित अन्य वित्तीय संस्थानों ने भी अपने ग्राहकों को प्रदान की जा रही ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी की घोषणा करना प्रारम्भ कर दिया है ताकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में की गई कमी का लाभ शीघ्र ही भारत में ऋणदाताओं तक पहुंच सके एवं इससे अंततः देश की अर्थव्यवस्था को बल मिल सके। भारत में चूंकि अब मुद्रा स्फीति की दर नियंत्रण में आ गई है, अतः आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में और अधिक कमी की जा सकती है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी के बाद कई नागरिक जिन्होंने पूर्व में कभी बैंकों से ऋण नहीं लिया है, वे भी ऋण लेने का प्रयास करें। बैंक से ऋण लेने से पूर्व इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि इस ऋण को चुकता करने की क्षमता भी ऋणदाता में होनी चाहिए अर्थात ऋणदाता की पर्याप्त मासिक आय होनी चाहिए ताकि बैकों द्वारा प्रदत्त ऋण की किश्त एवं ब्याज का भुगतान पूर्व निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके। इस संदर्भ में विशेष रूप से युवा ऋणदाताओं द्वारा क्रेडिट कार्ड के उपयोग पश्चात संबंधित राशि का भुगतान समय सीमा के अंदर अवश्य करना चाहिए क्योंकि अन्यथा क्रेडिट कार्ड एजेंसी द्वारा चूक की गई राशि पर भारी मात्रा में ब्याज वसूला जाता है, जिससे युवा ऋणदाता ऋण के जाल में फंस जाते हैं।

बैकों से लिए गए ऋण की मासिक किश्त एवं इस ऋणराशि पर ब्याज का भुगतान यदि निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं किया जाता है तो चूककर्ता ऋणदाता से बैकों द्वारा दंडात्मक ब्याज की वसूली की जाती है। इसी प्रकार, कई नागरिक जो क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते हैं एवं इस क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की गई राशि का भुगतान यदि वे निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं कर पाते हैं तो इस राशि पर चूक किए गए क्रेडिट कार्ड धारकों से भारी भरकम ब्याज की दर से दंड वसूला जाता है। कभी कभी तो दंड की यह दर 18 प्रतिशत से 24 प्रतिशत के बीच रहती है। क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने वाले नागरिक कई बार इस उच्च ब्याज दर पर वसूली जाने वाली दंड की राशि से अनभिज्ञ रहते हैं। अतः बैंकों से ली जाने वाली ऋणराशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का समय पर भुगतान करने के प्रति ऋणदाताओं को सजग रहने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर यह ऋणदाताओं के हित में है कि वे बैंक से लिए जाने वाले ऋण की राशि तथा ब्याज की राशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का पूर्व निर्धारित एवं उचित समय सीमा के अंदर भुगतान करें क्योंकि अन्यथा की स्थिति में उस चूककर्ता नागरिक की क्रेडिट रेटिंग पर विपरीत प्रभाव पड़ता है एवं आगे आने वाले समय में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है एवं बहुत सम्भव है कि भविष्य में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त ही न हो सके।

ऋणदाता यदि किसी प्रामाणिक कारणवश अपनी किश्त एवं ब्याज का बैंकों अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को समय पर भुगतान नहीं कर पाता है और उसका ऋण खाता यदि गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित हो जाता है तो इस संदर्भ में चूककर्ता ऋणदाता द्वारा बैकों को समझौता प्रस्ताव दिए जाने का प्रावधान भी है। इस समझौता प्रस्ताव के माध्यम से चूककर्ता ऋणदाता द्वारा सम्बंधित बैंक अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को मासिक किश्त एवं ब्याज की राशि को पुनर्निर्धारित किए जाने के सम्बंध में निवेदन किया जा सकता है। परंतु, यदि ऋणदाता ऋण की पूरी राशि, ब्याज सहित, अदा करने में सक्षम नहीं है तो चूक की गई राशि में से कुछ राशि की छूट प्राप्त करने एवं शेष राशि को एकमुश्त अथवा किश्तों में अदा करने के सम्बंध में भी समझौता प्रस्ताव दे सकता है। ऋण की राशि अथवा ब्याज की राशि के सम्बंध के प्राप्त की गई छूट की राशि का रिकार्ड बनता है एवं समझौता प्रस्ताव के अंतर्गत प्राप्त छूट के चलते भविष्य में उस ऋणदाता को बैकों से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना

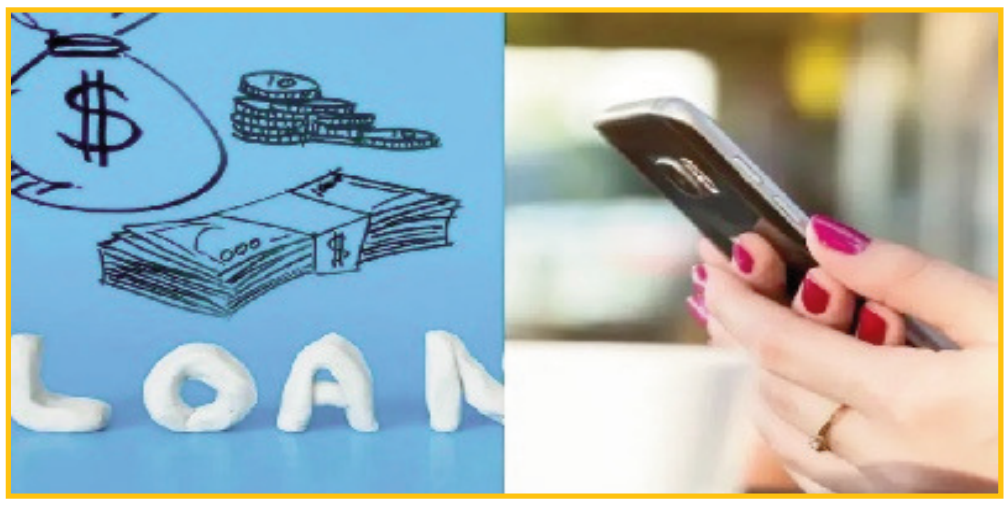


करना पड़ सकता है, इस बात का ध्यान चूककर्ता ऋणदाता को रखना चाहिए। अतः जहां तक सम्भव को ऋणदाता द्वारा समझौता प्रस्ताव से भी बचा जाना चाहिए एवं अपनी ऋण की निर्धारित किश्तों एवं ब्याज का निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत भुगतान करना ही सबसे अच्छा रास्ता अथवा विकल्प है।

भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के चलते मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है, जिनके द्वारा चार पहिया वाहनों, स्कूटर, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन एवं मकान आदि आस्तियों को खरीदने हेतु बैकों अथवा अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण लिया जा रहा है। कई बार मध्यमवर्गीय परिवार एक दूसरे की देखा देखी आपस में होड़ करते हुए भी कई उत्पादों को खरीदने का प्रयास करते हुए दिखाई देते हैं, चाहे उस उत्पाद विशेष की आवश्यकता हो अथवा नहीं। उदाहरण के लिए एक पड़ौसी ने यदि अपने चार पहिया वाहन का एकदम नया मॉडल खरीदा है तो जिस पड़ौसी के पास पूर्व में ही चार पहिया वाहन उपलब्ध है वह पुराने मॉडल के वाहन को बेचकर पड़ौसी द्वारा खरीदे गए नए मॉडल के चार पहिया वाहन को खरीदने का प्रयास करता है और बैंक के ऋण के जाल में फंस जाता है। यह नव धनाडय वर्ग यदि बैक से लिए गए ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का निर्धारित समय सीमा के अंदर भुगतान नहीं कर पाता है तो उस नागरिक विशेष के वित्तीय रिकार्ड पर धब्बा लग सकता है जिससे उसके लिए उसके शेष जीवन में बैकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों से पुनः ऋण लेने में कठिनाई आ सकती है। अतः बैकों से ऋण प्राप्त करने वाले नागरिकों को ऋण की किश्त का समय पर भुगतना करना स्वयं उनके हित में हैं, ताकि भारत में तेज हो रही आर्थिक प्रगति का लाभ आगे आने वाले समय में भी समस्त नागरिक ले सकें।

भारत में तो यह कहा भी जाता है कि जिसके पास जितनी चादर हो, उतने ही पैर पसारने चाहिए। अर्थात, नागरिकों को बैंकों से ऋण लेते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का भुगतान करने लायक उनकी अतिरिक्त आय होनी चाहिए, ताकि ऋण की किश्तों एवं ब्याज की राशि का भुगतान निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके एवं उनका ऋण खाता गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित नहीं हो।

संपादकीय

## बात-बेबात घात

कहना मुश्किल है कि हमारे समाज में ऐसा क्या बदला है कि जिन छोटे-छोटे विवादों को हम आसानी से सुलझा सकते हैं, उनको लेकर जान लेने तक की नौबत आ जाती है। मान्यता रही है कि पढ़ा-लिखा समाज सभ्य-संवेदनशील होकर प्रगतिशील समाज की आधारशिला रखता है। लेकिन यहां तो हम तरक्की के दावों और साक्षरता में अप्रत्याशित वृद्धि के बावजूद आदमयुगीन व्यवहार करने पर उतारू हैं। कार पार्किंग विवाद हो या सड़क पर आगे जाने की होड़ में वाहनों का जरा आपस में छू जाना, अकसर बड़े विवाद व हिंसक संघर्ष का कारण बन जाता है। पिछले दिनों दिल्ली में एक ई-रिक्शा चालक के कार से लग जाने के बाद कार चालक ने रिक्शा वाले को गोली मार दी। अब सवाल यह भी है कि क्यों इस विवाद को आपसी बातचीत से नहीं टाला जा सका? आखिर क्यों कार चालक को हथियार लेकर चलने की जरूरत पड़ी? आखिर लोगों का खून क्यों उबाल ले रहा है? क्या ये हमारे तामसिक व प्रदूषित खान-पान की देन है? क्या हमारे विचार दूषित हुए हैं? क्या हमारे उन संस्कारों का लोप हो चुका है जो हमें सहजता,सहयोग, सरलता, सहनशीलता, सौम्यता और सहभागिता सिखाते थे? अक्सर हम बुजुर्गों के साथ युवाओं द्वारा अभद्र व्यवहार करते हुए देखते हैं। उनकी उम्र व सफेद बालों का भी कोई लिहाज करता नजर नहीं आता है। सवाल उठता है कि क्या हमारी पारिवारिक संरचना व शिक्षण संस्थाओं द्वारा जीवन मूल्य बांटने की कवायद निष्प्रभावी हो गई है? अकसर हम देखते हैं कि सार्वजनिक जीवन में ऐसे मुद्दों को लेकर बड़े विवाद होते हैं, जिन्हें आसानी से सुलझाया जा सकता है। हमारे व्यवहार की ये कृत्रिमता विचलित करने वाली है। कभी कहा जाता था कि गहरी नदी खामोशी से बहती है। लेकिन इसके उलट पढ़े-लिखे लोग अनपढ़ों से बदतर व्यवहार करते नजर आते हैं। वह धारणा निर्मूल साबित हो रही है कि विद्या हमें विनय देती है। क्या हमारा जीवन इतना जटिल हो गया है कि हमें क्षण में आक्रोश से भर देता है? हाल के वर्षों में राह चलते मामूली विवादों पर हत्या कर देने की विचलित करने वाली वारदातें अकसर खबरों में सुर्खियां बनती रहती हैं। जो एक सभ्य व्यक्ति में भय व असुरक्षा भर देती हैं। हर व्यक्ति के दिमाग में अपनी व बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्याप्त हो जाती है। कहीं छोटी-छोटी बात पर रौब दिखाने पर हत्याएं हो जाती हैं तो कहीं वाहनों को खड़े करने के विवाद में खूनी संघर्ष हो रहे हैं। कहीं न कहीं सड़कों पर होने वाली हिंसा के मूल में बेलगाम होता गुस्सा भी है। यह गुस्सा कब कानून की झीनी दीवार लांघ दे, कहना मुश्किल है। कालांतर यही टकराव गंभीर अपराध के रूप में ही सामने आता है। यहां तक कि यह टकराव कई बार दो संप्रदायों के बीच खूनी संघर्ष तक में तब्दील हो जाता है। ऐसे कई समाचार देश के विभिन्न भागों से हमारे सामने आते रहे हैं। हमारे समाज विज्ञानियों और मनोवैज्ञानिकों को हमारे व्यवहार में घर कर रही इस आक्रामकता के कारणों की गंभीर पड़ताल करनी होगी। भविष्य में यह प्रवृत्ति हमारे समाज के लिये घातक साबित हो सकती है। कहीं न कहीं ये मानवीय मूल्यों व संवेदनशीलता का पराभव भी है जो हम किसी को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। हम विचार करें कि क्या इंटरनेट सामग्री व आक्रामक वीडियो गेम से उपजी आक्रामकता नई पीढ़ी में असर दिखा रही है? फिल्मों और टीवी में दिखाए जाने वाली हिंसा क्या हमारे जीवन व्यवहार में उतर आई है? सूचना माध्यमों ने आम लोगों की संवेदनाओं को आहत करने का जो मुनाफे का जमकर कारोबार किया क्या वो हमें अब संवेदनहीन बना रहा है?

## टीएमसी नेताओं की निर्लज्ज टिप्पणियों से उठा विवाद

(लेखक- ललित गर्ग)

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार-गैंगरेप का मुद्दा एक बार फिर पश्चिम बंगाल में जितना बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनने लगा है उतना ही बड़ा नारी उत्पीड़न का मुद्दा बनकर उभर रहा है। इस मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल एवं निर्लज्ज टिप्पणी स्त्री की मर्यादा, सम्मान एवं अस्मिता के खिलाफ शर्मनाक, दुर्भाग्यपूर्ण व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। इन नेताओं ने गैंगरेप मामले पर विवादित बयान से राज्य एवं देश में भारी जनाक्रोश पैदा हो गया था। विशेषतः राजनेताओं के बयानों एवं सोच में एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। इस मामले में सत्तारूढ़ टीएमसी पार्टी अन्दर एवं बाहर दोनों मोर्चों पर घिरती हुई नजर आ रही है। जहां इस मामले में पार्टी के अन्दर गुटबाजी एक बार फिर सामने आयी है, वहीं भाजपा आक्रामक रूप से ममता सरकार को घेर रही है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा टीएमसी नेताओं कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा के उन बयानों पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है।

यह एक बदतर स्थिति है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर नारी सम्मान एवं अस्मिता को लेकर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। अकसर महिलाएं और महिला राजनेता पुरुष नेताओं के हाथों अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणओं की शिकार होती रही हैं। ऐसे बयानों के बावजूद अकसर ये राजनेता किसी कठोर कार्रवाई की बजाय हल्की फुल्की फ़टकार के बाद बच निकलते हैं। ये बयान कभी महिलाओं की बॉडी शेमिंग करते नज़र आते हैं तो कभी बलात्कार जैसे गंभीर अपराध को मामूली बताने की कोशिश करते हुए नजर आते हैं। इसके साथ ही ये चिन्ताजनक संदेश भी जाता है कि महिलाओं के बारे में हल्के और आपत्तिजनक बयान देना विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के लिये सामान्य बात है।

जब किसी देश की बेटियां न्याय का अध्ययन कर रही हों और वहीं उनके साथ अन्याय की पराकाष्ठा हो तो यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि पूरे समाज, व्यवस्था और सोच के लिए एक जघन्य आइना बन जाती है। प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ हुए सामूहिक बलात्कार की घटना ने न केवल राजनीतिक सोच एवं कानून के मंदिरों को शर्मसार किया है, बल्कि हर संवेदनशील मन को झकझोर दिया है। पीड़िता एक लॉ कॉलेज में अध्ययनरत छात्रा थी, जो अपने उज्ज्वल भविष्य के सपनों के साथ शिक्षा के पथ पर अग्रसर थी। घटना की रात वह अपने कुछ परिचितों के साथ बाहर थी, जिनमें से ही कुछ ने उसकी अस्मिता को रौंद डाला। उसे नशा दिया गया और फिर सुनसान स्थान पर ले जाकर कई लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है, लेकिन सवाल यह है कि जब कानून पढ़ने वाली लड़की खुद असुरक्षित है, तो आम महिलाएं कैसे सुरक्षित होंगी? क्या यह कानून की शिक्षा देने वाली संस्थाओं एवं शासन करने वाली सत्ताओं के लिए आत्ममंथन का समय नहीं है? ऐसी घटनाओं पर निर्भया कांड के बाद बने कानूनों का सख्ती से पालन हो। रेप को सिर्फ एक 'जुर्म' नहीं, 'राष्ट्रीय आपदा' माना जाए, और उसकी रोकथाम के लिए शिक्षा, संस्कार और तकनीकी सुरक्षा साधनों को प्राथमिकता दी जाए। कोलकाता की लॉ छात्रा की यह दर्दनाक घटना हमें चेताती है कि केवल कानून बना लेना काफी नहीं, जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक बेटियां असुरक्षित रहेंगी। यह केवल एक छात्रा की लड़ाई नहीं, बल्कि हर बेटी की सुरक्षा की लड़ाई है। न्याय तब होगा जब ऐसी घटनाएं रुकेंगी और उसके लिए हमें मिलकर लड़ना होगा।

सबसे दुखद पहलू यह है कि अनेक बार ऐसी घटनाओं में समाज चुप रहता है, पीड़िता को दोषी ठहराने की कोशिश की जाती है। सोशल मीडिया पर तंज, मीडिया ट्रायल और व्यक्तिगत चरित्रहनन जैसी बातें पीड़िता को न्याय से अधिक पीड़ा देती हैं। पीड़िता के लिये यह पीड़ा तब और बढ़ जाती है जब उनके जन-प्रतिनिधि निर्लज्ज बयानबाजी करते हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। यदि इक्कीसवीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं। देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए जन-प्रतिनिधियों को ज्यादा संवेदनशील होने की अपेक्षा की जाती है। बड़ा प्रश्न है कि आखिर किसी राजनेता को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट क्यों एवं कैसे मिल जाती है।

भारत ही ऐसा देश है, जहां महिलाओं की अस्मिता एवं अस्तित्व को तार-तार करने वाले नेताओं के निर्लज्ज बयानों के बावजूद उन पर कोई ठोस, सख्त एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होती। जबकि विश्व के अन्य देशों में ऐसा नहीं है। जैसे 2017 में ब्रिटेन के एक पार्षद के सामान्य से बयान पर अच्छा खासा बवाल मचा था। पार्षद ने सांसद का चुनाव लड़ रही एक गर्भवती महिला राजनेता के बारे में कह दिया था, 'वो गर्भवती हैं और उनका समय तो नैपी बदलने में ही बीत जाएगा, वो आम लोगों की आवाज़ क्या उठाएंगी?' इसके लिए पार्षद को माफ़ी मांगनी पड़ी। ब्रिटेन जैसे कई देशों में अकसर ऐसे बयानों पर कार्रवाई होती है। मिसाल के तौर पर 2017 में ही यूरोपियन संसद के एक सांसद ने बयान दिया था कि महिलाओं को कम पैसा मिलना चाहिए क्योंकि वो कमज़ोर, छोटी और कम बुद्धिमान होती हैं।' इसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था और उन्हें मिलने वाला भत्ता भी बंद हो गया था। कोलकाता की लॉ छात्रा मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार- हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है।

(चिंतन-मनन)

## हर जीव में व्याप्त नारायण

**वैदिक** साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं-आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं।

किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रह्मसंहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं।

जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुन- उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

विचार मंथन

## बिहार में अपने ही बुने जाल में फंस गया चुनाव आयोग

(लेखक- सनत जैन )

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा शुरू की गई, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया अब स्वयं आयोग के लिए सिरदर्द बन गई है। मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के नाम पर शुरू की गई, चुनाव आयोग की इस कवायद से जनता के मन में संदेह, भय और असुरक्षा की भावना पनप रही है। आयोग ने 2003 के बाद वोटर बने करोड़ों नागरिकों से नागरिकता के प्रमाणपत्र की मांग की है। जो न केवल अव्यावहारिक है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर सीधा अतिक्रमण है। आशंका इस बात की व्यक्त की जा रही है, कि यह प्रक्रिया एक अघोषित रूप से एनआरसी की कार्यवाही है। जिसे सरकार चुनाव आयोग के माध्यम से पूरा करा रही है। चुनाव आयोग द्वारा अपने ही बनाए गए पुराने वोटर कार्ड के साथ ही आधार या पैन जैसे दस्तावेज मान्य नहीं किये जा रहे हैं। आयोग द्वारा निर्धारित 11 वैध दस्तावेजों की सूची में अधिकांश आम नागरिकों की पहुंच से बाहर के दस्तावेज हैं। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जहां जन्म प्रमाण-पत्र या स्थायी निवास प्रमाण-पत्र आज भी दुर्लभ हैं। गरीब एवं मजदूर परिवार जहां दो वक्त की रोटी के लिए लगातार पलायन करता है, वह कैसे अपने दस्तावेजों को संभाल कर रखेगा। जिनका खुद का घर, मकान नहीं है, स्थाई रहने का प्रबंध नहीं है, उनसे उनके और उनके मां-बाप के जन्म मृत्यु के प्रमाण-पत्र की मांग करना एक तरह से मौलिक अधिकारों पर सीधा हमला है। यह स्थिति तब और जटिल हो जाती है जब आयोग खुद स्वीकार करता है, कि मतदाता सूची को शुद्ध करने की प्रस्तावित प्रक्रिया चुनाव आयोग के लिए भारी तकनीकी और प्रशासनिक चुनौतियों से भरी है। विपक्षी दलों द्वारा संयुक्त रूप से विरोध के स्वर तेज होते ही, आयोग ने कुछ राहतों की घोषणा कर अपने कुछ कदम पीछे खींचे हैं। जैसे 2003 से पहले वोटर बने लोगों के बच्चों को अब स्वतः ही योग्य माना जायेगा। चुनाव आयोग का यह स्पष्टीकरण और संशोधन चुनाव आयोग के प्रति अविश्वास को बढ़ा रहे हैं। स्पष्ट है चुनाव आयोग ने बिना पूरी तैयारी और राजनीतिक दलों से बात किए बिना मतदाता सूची में संशोधन के इतने बड़े फैसले को मतदाताओं पर थोप दिया है। जिसमें करोड़ों मतदाताओं के हित जुड़े थे। उन्हें नकारने का काम चुनाव आयोग ने किया है। वह भी ऐसे समय पर जब चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को लेकर लगातार विपक्ष चुनाव आयोग पर तीखे आक्षेप लगा रहा था। उस समय चुनाव आयोग द्वारा यह कदम उठाया गया। चुनाव आयोग के इस तुगलकी आदेश से बिहार जैसे राज्य की सामाजिक-राजनीतिक संरचना पर गहरा असर पड़ना तय है। यदि यह केवल वोटर लिस्ट के पुनरीक्षण और सही मतदाताओं के रूप में वोटर लिस्ट तैयार करने का प्रयास होता। इसमें पारदर्शिता और सुगमता होनी चाहिए थी। ना कि शंका और डर का वातावरण बनाकर करोड़ों मतदाताओं को मतदाता सूची से बाहर करने का यह प्रयास माना जा रहा है। अब ज़रूरी हो गया है, चुनाव आयोग अपनी भूमिका की गंभीरता को समझे। निष्पक्ष संस्था की छवि बनाए रखें। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन सेशन के समय पर चुनाव आयोग की जो विश्वसनीयता थी, चुनाव आयोग को जिस रूप में लोगों ने पहले देखा है। वर्तमान में ठीक उसके विपरीत छवि चुनाव आयोग ने अपने निर्णय एवं कार्य प्रणाली के कारण वर्तमान में बनाई है। चुनाव आयोग के प्रति जनता का वह भरोसा नहीं रहा, जो होना चाहिए था। अपने ही बनाए हुए नियमों और जटिलताओं के मकड़जाल में चुनाव आयोग उलझता जा रहा है। बिहार के नागरिकों से वोट देने का अधिकार छीनने की बजाय उन्हें सशक्त करने की ज़रूरत है। पिछले कई चुनाव में चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली को लेकर लगातार विपक्ष आवाज उठाता रहा है। सैकड़ों मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली और निष्पक्षता को लेकर लंबित हैं। इसके बाद भी बिहार चुनाव के ठीक 3 महीने पहले जिस तरह से चुनाव आयोग ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण करने के नाम पर कार्यवाही की जा रही है उससे विपक्ष को यह साबित करने का मौका मिल गया है, कि चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं है। वह सरकार के इशारे पर सारे निर्णय ले रहा है। जो चुनाव आयोग में कभी नहीं हुआ था। जो असम की एनआरसी के समय हुआ था। यदि वही नियम चुनाव आयोग बिहार चुनाव के लिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए लागू करता है तो ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग पर संदेह होना स्वाभाविक है। यह बात भी कहीं ना कहीं प्रमाणित होती है। सत्तारूण दल भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए चुनाव आयोग द्वारा कार्यवाही की जा रही है। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के नाम पर करोड़ों मतदाताओं को मतदाता सूची से अलग करने की कार्यवाही चुनाव आयोग द्वारा की जा रही है। मतदाता सूची पुनरीक्षण के नाम पर चुनाव आयोग बिहार में अपारदर्शी तरीके से मतदाताओं को जोड़ने और घटाने का काम करेगा। जिसके कारण चुनाव आयोग की विश्वसनीयता एक तरह से खत्म होती हुई दिख रही है। पिछले कई वर्षों में चुनाव आयोग ने जिस तरह से विपक्षी दलों को नजर अंदाज किया है, सत्तारूण दल के खिलाफ शिकायतों पर चुप्पी साध रखी है, उससे स्पष्ट है, चुनाव आयोग सरकार के दबाव में काम कर रहा है। वर्तमान में जो स्थितियां बन गई हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## रुपया बढ़त के साथ बंद

**मुंबई।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 26 पैसे की बढ़त के साथ ही 85.50 पर बंद हुआ। वहीं शुरुआती कारोबार में 42 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.34 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के कई महीने के निचले स्तर पर पहुंचने और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से रुपये को बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.66 पर खुला। शुरुआती कारोबार में 85.34 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 42 पैसे की बढ़त को बताता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.76 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 फीसदी की गिरावट के साथ 96.71 पर आ गया।

## एनएमडीसी ने लगातार दूसरी बार किया कटौती का ऐलान

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक खनन कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड के शेयरों में मंगलवार, 1 जुलाई को 2.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। गिरावट की वजह कंपनी द्वारा लगातार दूसरे महीने अपने प्रमुख उत्पादों की कीमतों में की गई कटौती है। एनएमडीसी ने लम्प ऑर की कीमत 600 रुपए से घटाकर 5,700 रुपए प्रति टन और फाइंस की कीमत 500 रुपए से घटाकर 4,850 रुपए प्रति टन कर दी है। यह नई दरें 1 जुलाई से प्रभावी हो गई हैं। इससे पहले जून में भी कंपनी ने 140-150 रुपए प्रति टन की कटौती की थी। हालांकि मार्च तिमाही में पेलट्स और अन्य खनिजों से कंपनी की आय बढ़ी थी लेकिन आयरन ओर की बिक्री से मिलने वाली प्रति टन आमदनी अनुमान से कम रही। इसके साथ ही कर्मचारियों और परिचालन लागत में बढ़ोतरी के चलते कंपनी के मुनाफे पर दबाव बना रहा।

## कल्पतरु का शेयर नौ प्रतिशत से अधिक चढ़ा

**नई दिल्ली।** रियल एस्टेट कंपनी कल्पतरु लिमिटेड के शेयर ने 414 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले मंगलवार को बाजार में सपाट शुरुआत की, लेकिन जल्द ही वापसी करते हुए यह नौ प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। बीएसई पर शेयर ने 414.10 रुपये पर शुरुआत की। बाद में इसमें तेजी आई और यह निर्गम मूल्य के मुकाबले 9.42 प्रतिशत चढ़कर 453 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर निर्गम मूल्य 414 रुपये पर ही सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 9.37 प्रतिशत चढ़कर 452.80 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन शुरुआती कारोबार के दौरान 9,121.99 करोड़ रुपये रहा। कल्पतरु के आरंभिक शेयर निर्गम (आईपीओ) को बोली के ओ खिरी दिन गुरुवार को 2.26 गुना अभिदान मिला था। कंपनी का आईपीओ 1,590 करोड़ रुपये के नए शेयर का निर्गम है, जिसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) का कोई घटक शामिल नहीं है। आईपीओ के लिए 387-414 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था। आईपीओ से हासिल राशि का उपयोग ऋण भुगतान और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किए जाने का प्रस्ताव है।

## बजाज ऑटो की बिक्री जून में बढ़कर 3,60,806 इकाई रही

**नई दिल्ली।** बजाज ऑटो की निर्यात सहित कुल बिक्री जून में सालाना आधार पर एक प्रतिशत बढ़कर 3,60,806 इकाई हो गई। पुणे स्थित मोटर वाहन विनिर्माण कंपनी ने जून 2024 में कुल 3,58,477 वाहनों की बिक्री दर्ज की थी। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वाणिज्यिक वाहनों सहित कुल घरेलू बिक्री पिछले महीने 13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,88,460 इकाई रही, जबकि जून 2024 में यह 2,16,451 इकाई रही थी। कंपनी ने कहा कि समीक्षाधीन महीने में निर्यात 21 प्रतिशत बढ़कर 1,72,346 वाहन हो गया, जबकि जून 2024 में यह 1,42,026 इकाई रहा था।

# नवरत्न कंपनी बीईएल को मिला 528 करोड़ का ऑर्डर

**नई दिल्ली।**

नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के स्टॉक्स में मंगलवार को जोरदार तेजी देखी जा रही है। बीईएल के शेयर मंगलवार को बीएसई में 3 फीसदी से अधिक चढ़कर 436 रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जिसके साथ ही नवरत्न कंपनी के शेयर रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। यह तेजी तब आई जब कंपनी को 528 करोड़ रुपये का नया ऑर्डर मिलने की खबर सामने आई।

इस अपडेट ने निवेशकों के भरोसे और उत्साह को बढ़ा दिया। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेडको मिले इस ताजा ऑर्डर में कई अत्याधुनिक रक्षा और रणनीतिक उपकरण शामिल हैं। इन उपकरणों में रडार, कम्युनिकेशन सिस्टम्स, जैमर्स, शेल्टर्स, कंट्रोल सेंटर्स, स्पेयर्स, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन्स संबंधित सेवाएं शामिल हैं। इससे पहले भी कंपनी को 585 करोड़ रुपये और 537 करोड़ रुपये के अन्य रक्षा उपकरणों और सिस्टम्स से जुड़े ऑर्डर मिल चुके हैं, जो इसकी लगातार बढ़ती ऑर्डर बुक को बताता है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के स्टॉक्स ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। इसके शेयर पिछले पांच वर्षों में 1240 फीसदी से अधिक उछल गए हैं। 3 जुलाई 2020 को जहां इसका शेयर 32.42 रुपये था, वहीं 1 जुलाई 2025 को यह बढ़कर 435.95 रुपये तक पहुंच गया।

### नवरत्न कंपनी बीईएल को मिला 528 करोड़ का ऑर्डर

**नई दिल्ली।**

नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के स्टॉक्स में मंगलवार को जोरदार तेजी देखी जा रही है। बीईएल के शेयर मंगलवार को बीएसई में 3 फीसदी से अधिक चढ़कर 436 रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जिसके साथ ही नवरत्न कंपनी के शेयर रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। यह तेजी तब आई जब कंपनी को 528 करोड़ रुपये का नया ऑर्डर मिलने की खबर सामने आई। इस अपडेट ने निवेशकों के भरोसे और उत्साह को बढ़ा दिया। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेडको मिले इस ताजा ऑर्डर में कई अत्याधुनिक रक्षा और रणनीतिक उपकरण शामिल हैं। इन उपकरणों में रडार, कम्युनिकेशन सिस्टम्स, जैमर्स, शेल्टर्स, कंट्रोल सेंटर्स, स्पेयर्स, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन्स संबंधित सेवाएं शामिल हैं। इससे पहले भी कंपनी को 585 करोड़ रुपये और 537 करोड़ रुपये के अन्य रक्षा उपकरणों और सिस्टम्स से जुड़े ऑर्डर मिल चुके हैं, जो इसकी लगातार बढ़ती ऑर्डर बुक को बताता है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के स्टॉक्स ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। इसके शेयर पिछले पांच वर्षों में 1240 फीसदी से अधिक उछल गए हैं। 3 जुलाई 2020 को जहां इसका शेयर 32.42 रुपये था, वहीं 1 जुलाई 2025 को यह बढ़कर 435.95 रुपये तक पहुंच गया। पिछले 4 साल में कंपनी के शेयरों में 623 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। वहीं पिछले 3 साल में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर 468 फीसदी बढ़ गए हैं। जबकि पिछले दो वर्षों में कंपनी के शेयरों में 245 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

## असम ने अब तक की सर्वाधिक सात लाख मीट्रिक टन धान खरीदी- हिमंत

**गुवाहाटी।**

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राज्य ने अब तक की सर्वाधिक करीब सात लाख मीट्रिक टन धान खरीद है जो पिछले साल की तुलना में दो गुना से अधिक है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, हमें 6.97 लाख मीट्रिक टन की रिकॉर्ड धान खरीद के साथ खरीफ विपणन सत्र (केएमएस) 2024-25 के सफल समापन की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। धान खरीद अब तक की सर्वाधिक रही। राज्य ने खरीफ विपणन सत्र 2023-24 के दौरान सिर्फ 3.14 लाख मीट्रिक टन की खरीद की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि खरीफ विपणन सत्र 2022-23 में धान की खरीद 5.92 लाख मीट्रिक टन हुई थी। यह उल्लेखनीय उपलब्धि यह सुनिश्चित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि हमारे किसान बाजारों से जुड़े रहें और उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) मिले जिसके वे हकदार हैं। मुख्यमंत्री ने पिछले महीने कहा था कि राज्य ने खरीफ विपणन सत्र 2024-25 में 5,85,500 मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य रखा है।

# शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

### सेंसेक्स 91 अंक, निफ्टी 25 अंक ऊपर आया

**मुम्बई।**

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बाजार ज्यादा ऊपर नहीं आ पाया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 90.83 अंकों की बढ़त के साथ ही 83,697.29 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 24.75 अंकों की बढ़त के साथ ही 25,541.80 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 13 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ऊपर आकर बंद हुए, जबकि बाकी की सभी 17 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे बंद हुए। निफ्टी की 50 में से 24 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही लाभ पर बंद हुए और बाकी की 26 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल बीईएल के शेयर सबसे ज्यादा 2.51 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि एक्सिस बैंक के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.13 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 1.84 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.18 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.10 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.93 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.60 फीसदी, टाइटन 0.30फीसदी, भारती एयरटेल 0.29 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 0.04 फीसदी और इंफोसिस के शेयर 0.04 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए।वहीं दूसरी ओर आज , टेक महिंद्रा 1.05 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.95 फीसदी, टीसीएस 0.89 फीसदी, एनटीपीसी 0.70 फीसदी, पावरग्रिड 0.67 फीसदी, एचसीएल टेक 0.60 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.60 फीसदी,

सनफार्मा 0.57 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.37 फीसदी, आईटीसी 0.31 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.25 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.23 फीसदी नुकसान के साथ बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार हरे निशान में खुले। शुरुआती कारोबार में ऑटो और आईटी सेक्टर में खरीदारी देखी गई। सेंसेक्स 188.66 अंक बढ़कर 83,795.12 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 54.80 अंक बढ़कर 25,571.85 पर कारोबार कर रहा था। विश्लेषकों के अनुसार अमेरिकी बाजार के नए रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के साथ, ग्लोबल इक्विटी बाजार का मूड सकारात्मक है और पश्चिम एशियाई भू-राजनीति अब वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरा नहीं है। शुरुआती कारोबार में निफ्टी बैंक 51.95 अंक बढ़कर 57,364.70 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 146.45 अंक की बढ़त के साथ 59,887.65 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 52.50 अंक की बढ़त के साथ 19,127.60 पर था।

# फिर से बढ़े सोने के भाव, चांदी के दाम में गिरावट

### सोने के भाव 96,700 रुपए, चांदी लगभग 1,06,300 रुपए प्रति किलो

**नई दिल्ली।**

सोने के वायदा कारोबार की शुरुआत में मंगलवार को तेजी देखी जा रही है। जबकि चांदी में सुस्ती देखने को मिल रही है। इस समय घरेलू बाजार में सोने के भाव 96,700 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,06,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में चांदी के भाव लुढ़क गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 396 रुपये की तेजी के साथ 96,471 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 96,075 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 615 रुपये की तेजी के साथ 96,690 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 102 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,190 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,06,292 रुपये था। इस समय यह 22 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,270 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि चांदी के भाव बाद में लुढ़क गए। कॉमेक्स पर सोना

3,315.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,307.70 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 21.40 डॉलर की तेजी के साथ 3,329.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.06 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 35.85 डॉलर था। इस समय यह 0.01 डॉलर की गिरावट के साथ 35.84 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

## कोल इंडिया, हिंदुस्तान कॉपर के साथ ख निज क्षेत्र में करेंगे काम

### दोनों ने गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

**नई दिल्ली।**

सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने मंगलवार को महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में मिलकर काम करने के लिए हिंदुस्तान कॉपर के साथ एक समझौता किया है। सीआईएल ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि दोनों कंपनियों ने तांबा और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्रों में विभिन्न पहलुओं पर सहयोग के लिए सोमवार को गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इससे पहले सीआईएल और आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड ने महत्वपूर्ण खनिजों के विकास पर सहयोग एवं सहभागिता के लिए एक गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य खनिज रेत और दुर्लभ खनिजों सहित महत्वपूर्ण खनिजों की परस्पर सहमत परिसंपत्तियों का विकास करना है। सीआईएल की घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। तांबा, लिथियम, निकल, कोबाल्ट और दुर्लभ पृथ्वी तत्व जैसे खनिज तेजी से बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा देने के लिए कच्चे माल हैं। पवन टर्बाइन और बिजली तंत्र से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी निर्माण तक इनका उपयोग किया जाता है।

# हीरो स्प्लेंडर ने फिर बिक्री के सारे रिकॉर्ड पीछे छोड़े

**नई दिल्ली।**

मई 2025 में हीरो मोटोकॉर्प की सबसे पॉपुलर बाइक हीरो स्प्लेंडर ने एक बार फिर बिक्री के सारे रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिए। अकेले इस मॉडल ने 63.53 प्रतिशत बाजार पर कब्जा कर लिया। दूसरे नंबर पर हीरो एचएफ डीलक्स रही, जिसकी बिक्री 23.67 फीसदी बढ़कर 1,07,768 यूनिट तक पहुंच गई।

इस दौरान स्प्लेंडर की 3,10,335 यूनिट बिकीं, जो 1.86 फीसदी सालाना बढ़ोतरी दर्शाती है। वहीं हीरो पैशन की बिक्री 24.92 फीसदी गिरावट के साथ 16,763 यूनिट पर सिमट गई।

चौथे नंबर पर हीरो एक्सट्रीम 125 क रही, जिसने 15.89 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 16,602 यूनिट बेचीं। हीरो डेस्टिनी 125 पांचवें स्थान पर रही, इसकी बिक्री 31.41 फीसदी बढ़कर 15,018 यूनिट रही। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में हीरो विडा ने 129.70 फीसदी की जबरदस्त सालाना ग्रोथ दर्ज की और 8,361 यूनिट बिके।

सातवें नंबर पर हीरो प्लेजर रहा, जिसकी बिक्री 29.53 फीसदी बढ़कर 8,128 यूनिट तक पहुंची। हालांकि कुछ मॉडलों ने कमजोर प्रदर्शन किया।

हीरो एक्सपल्स की बिक्री 29.89 फीसदी घटकर 2,407 यूनिट रही। हीरो जूम की बिक्री 70.17 फीसदी गिरकर 1,029 यूनिट रही, जबकि हीरो ग्लैमर ने 95.21 फीसदी की बड़ी गिरावट के साथ केवल 911 यूनिट ही बेचीं। हीरो एक्सट्रीम 160/200 ने 623 यूनिट और एक्सट्रीम 250 आर ने 477 यूनिट बेचीं। हीरो करिज्मा 210 की 72 यूनिट बिकीं, जबकि हीरो मैवरिक 440 सिर्फ 5 यूनिट ही बेच पाई।

## स्मार्टफोन शाओमी 15 अल्ट्रा के नए कलर वेरिएंट्स पेश

**नई दिल्ली।**

चाइनीज कंपनी शाओमी ने अपने प्रीमियम स्मार्टफोन शाओमी 15 अल्ट्रा के लिए नए कलर वेरिएंट्स प्रस्तुत किए हैं। नए रंगों में भी टू-टोन डिजाइन और सिल्वर स्ट्रिप के साथ वीगन लेदर बैक मिलता है, जो इसे विंटेज कैमरा जैसा लुक देता है। पहले यह फोन ब्लैक, वाइट और सिल्वर रंग में उपलब्ध था, लेकिन अब इसे पर्पल, एक्वामरीन और ब्राउन रंग में भी खरीदा जा सकेगा। इसके साथ ही कंपनी ने खासतौर पर फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए अपडेटेड कैमरा ग्रिप किट भी लॉन्च किया है। यह नया किट पहले से हल्का है और इसका वजन 42 ग्राम रखा गया है। हालांकि इसमें बिल्ट-इन बैटरी नहीं दी गई है। किट में हाफ-प्रेस ऑटोफोकस सपोर्ट वाला शटर बटन, एक्सपोजर लॉक और वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए डेडिकेटेड बटन भी मिलता है। फोन के हार्डवेयर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। शाओमी 15 अल्ट्रा में 6.73 इंच का एलटीपीओ अमोलेड डिस्प्ले है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट और 3200 निट्स पीक ब्राइटनेस ऑफर करता है। इसमें स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट, 16जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज दिया गया है। फोटोग्राफी के लिए इसमें 50एमपी मेन कैमरा, 50एमपी लीका अल्ट्रावाइड लेंस, 50एमपी लीका टेलीफोटो लेंस और 200एमपी लीका सुपर टेलीफोटो लेंस दिया गया है। फ्रंट में 32एमपी का सेल्फी कैमरा मौजूद है। सिक्योरिटी के लिए इसमें इन-डिस्प्ले अल्ट्रासोनिक फिंगरप्रिंट सेंसर है। यह हायपर ओएस 2.0 पर चलता है और कनेक्टिविटी के लिए वायफाय7, ब्लूटूथ 5.4, एनएफसी,जीपीएस और यूएसबी टाइप-सी जैसे विकल्प मौजूद हैं। बैटरी 6000एमएएच की है, जो 90डब्ल्यू वायर्ड और 80डब्ल्यू वायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट करती है। फोन आईपी68 रेटिंग के साथ डस्ट और वॉटरप्रूफ है।

## 1 जुलाई से 58 रुपए सस्ता हुआ कमर्शियल गैस सिलेंडर

### होटल-रेस्टोरेंट वालों को मिलेगी राहत

**नई दिल्ली।**

तेल कंपनियों ने 1 जुलाई से 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर के भाव कम कर दिए हैं। हर महीने की पहली तारीख को कंपनियां सिलेंडर के दाम अपडेट करती हैं और इस बार दाम में 58.50 की कटौती की गई है। हालांकि, घरेलू सिलेंडर (14.2 किलो) की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इन शहरों में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत इस प्रकार है- दिल्ली में अब 19 किलो का सिलेंडर 1723.50 की जगह 1665 में मिलेगा, नोएडा में 1747.50, कोलकाता में 1826 की जगह 1769, मुंबई में 1674.50 से घटकर 1616 और चेन्नई में यह सिलेंडर 1881 की जगह 1823.50 रुपए में मिलेगा। कमर्शियल सिलेंडर के सस्ते होने से होटल, रेस्टोरेंट और दूसरे व्यापारियों को राहत मिलेगी क्योंकि इन जगहों पर गैस की खपत ज्यादा होती है। आईओसीएल के आंकड़ों के अनुसार लगातार चौथे महीने में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। वहीं लगातार चार महीनों में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर में करीब 140 रुपए की गिरावट देखने को मिल चुकी है। आईओसीएल के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 138 रुपए की गिरावट देखी गई है। जबकि कोलकाता में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 144 रुपए दाम कम हुए हैं। इसके अलावा मुंबई की बात करें तो यहां पर कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 139 रुपए की गिरावट देखी गई है। जबकि चेन्नई में इस दौरान कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 141.5 रुपए की गिरावट देखी जा चुकी है। वहीं पिछले कुछ महीनों में भी सिलेंडर के दाम घटते रहे हैं - जून 2025 में 24 रुपए की कटौती, मई 2025 में 14.50 रुपए सस्ता, अप्रैल 2025 में 41 रुपए की कमी, फरवरी 2025 में 7 रुपए की कटौती, मार्च 2025 में केवल 6 रुपए बढ़ाए गए थे। जून में दिल्ली में सिलेंडर का रेट 1723 रुपए था, जबकि अप्रैल में ये 1762 और मई में 1747.50 रुपए था।

# मारुति और टोयोटा करेगी कई एसयूवी लांच

**नई दिल्ली।**

मारुति सुजुकी कंपनी और जापान की दिग्गज टोयोटा आने वाले महीनों में भारत में कई नई एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। मारुति सुजुकी अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी ई-विटारा को भारतीय बाजार में पेश करने जा रही है।

इस एसयूवी को कंपनी ने 2025 भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में भी शोकेस किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक ई-विटारा में दो बैटरी पैक के विकल्प मिलेंगे और यह एक बार चार्ज करने पर 500 किलोमीटर से ज्यादा की रेंज दे सकती है।

यह एसयूवी भारतीय ग्राहकों के लिए किफायती इलेक्ट्रिक विकल्प बन सकती है। इसके अलावा मारुति अपनी नई मिड-साइज एसयूवी भी उतारने जा रही है, जिसका कोडनेम वाय17 है और नाम मारुति एस्कुडो रखा जा सकता है। यह एसयूवी ब्रेजा और ग्रैंड विटारा के बीच की रेंज में आएगी। इसे अगले 2-3 महीनों में

लॉन्च किए जाने की संभावना है। इसमें 1.5 लीटर का 4-सिलेंडर पेट्रोल इंजन और माइल्ड हाइब्रिड तकनीक देखने को मिलेगी। टोयोटा भी अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी अर्बन क्रूजर बीईवी लाने की तैयारी में है। इस मॉडल को भारत में 2025 के अंत तक या 2026 की शुरुआत में लॉन्च किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## श्रेयस घर की गैलरी में मां के साथ क्रिकेट खेलते दिखे

**मुम्बई।** आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स की कप्तानी करने वाले बल्लेबाज श्रेयस अय्यर का घर की गैलरी में मां के साथ क्रिकेट खेलने का एक प्यारा वीडियो आया है , इसमें श्रेयस मां की गेंदबाजी पर बोल्ड होते दिख रहे हैं। ये वीडियो पंजाब किंग्स ने साझा किया है। इससें लिखा है, केवल प्रकार से बोल्ड होने पर श्रेयस को बुरा नहीं लग रहा होगा। इस वीडियो पर प्रशंसकों ने भी कई मजेदार कॉमेंट्स किए हैं। एक ने लिखा है, गेंद हो या चप्पल, मां का निशाना कभी गलत नहीं होता। सोशल मीडिया में साझा किए गए इस वीडियो में दिख रहा है कि श्रेयर घर की गैलरी में बल्लेबाजी कर रहे हैं और गेंदबाजी उनकी मां के हाथों में है। पहली गेंद फुल टॉस और अय्यर उसे खेलने में सफल होते हैं पर दूसरी गेंद पर वह विफल हो जाते हैं। गेंद उनके बल्ले के पास से निकलकर स्टंप से टकरा जाती है। उसके बाद उनकी मां खुशी से दोनों हाथ हवा में उठाकर नाचने लगती हैं। बोलती हैं आउट। यह वीडियो जितना प्यारा है, उस पर प्रशंसकों ने भी उतना ही प्यार लुटाया है। इसके कॉमेंट भी काफी प्यारे और मजेदार हैं। एक प्रशंसक ने दिल के इमोजी के साथ लिखा, मां के जश्न को तो देखिए। एक अन्य ने लिखा, मां को कम मत समझिये वह हमेशा ही एक संपूर्ण गेंदबाज हैं।

# इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बराबरी के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

**बर्मिंघम।**

भारतीय भारतीय क्रिकेट टीम यहां बुधवार से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे टेस्ट मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले टेस्ट में पांच शतक लगाने के बाद भी खराब फील्डिंग के कारण हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में अपनी कमजोरियों को दूर करना रहेगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम की ओर से तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ही सफल रहे थे। वहीं अन्य गेंदबाज विफल रहे थे जिसका भी नुकसान उसे उठाना पड़ा था। पांच मुकाबलों की सीरीज का पहला मैच हारने के बाद भारतीय टीम 1-0 से पीछे हैं। ऐसे में उसके लिए यह मुकाबला बेहद अहम है। उसे सीरीज में बराबरी के लिए इसे जीतना ही होगा।

इस मैच के लिए मेजबान टीम ने कोई बदलाव नहीं किया है। वहीं भारतीय टीम बदलावों के साथ उतरेगी पर क्या बदलाव होंगे ये मैच से पहले ही पता चलेगा क्योंकि भारतीय टीम ने अभी तक अपने अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों की घोषणा नहीं की है। भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज बुमराह को इस मैच में आराम दिया जाना है। ऐसे में उनकी जगह पर बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह या आकाशदीप सिंह को शामिल किया जा सकता है। वहीं ऑलराउंडर स्थान कुलदीप यादव को अवसर मिलने की संभावना नहीं है। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर पहले टेस्ट में प्रभावित नहीं कर पाये थे, ऐसे में उनकी जगह युवा नीतीश कुमार रेड्डी को भी टीम में शामिल किय जा सकता है। बर्मिंघम में गर्म मौसम और सूखी पिच को देखते हुए इसमें स्पिनरों को सहायता मिल सकती है। ऐसे में भारतीय टीम दो स्पिनरों को अंतिम ग्यारह में जगह दे सकती है। ऐसे में अनुभवी रविंद्र जडेजा, कुलदीप

यादव और वॉशिंगटन सुंदर में से दो को टीम में जगह मिल सकती है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसर टीम प्रबंधन कुलदीप की जगह वॉशिंगटन सुंदर को शामिल कर सकता है। एजबेस्टन क्रिकेट मैदान की बात करें, तो मैच की शुरुआत में पिच से गति और उछाल हासिल हो सकता है। ऐसे में सलामी बल्लेबाजों के लिए तेज गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं होगा। शुरुआत के दो दिन भले ही ड्यूक गेंद से तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी, लेकिन तीसरे और चौथे दिन पिच बल्लेबाजी के लिए आसान हो सकती है।

## भारतीय टीम को दूसरे टेस्ट में जीत के लिए स्पिनरों का बेहतर इस्तेमाल करना होगा

**मुम्बई।**

मेजबान इंग्लैंड के साथ यहां 2 जुलाई से शुरु हो रहे दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की राह काफी मुश्किल नजर आ रही है। इसका कारण है कि एजबेस्टन के इस मैदान पर भारतीय टीम आज तक नहीं जीती है। इस मैदान पर दोनो टीमों के बीच आठ मैच खेले हैं। जिसमें सात मैच में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा। ऐसे में दिग्गज क्रिकेटरों के अनुसार शुभमन गिल की कप्तानी में यहां भारतीय टीम को जीत के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ ही रणनीति में भी बदलाव करने होंगे। ऐसे भारतीय टीम अगर 2 जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में कुछ बदलावों के साथ उतरती है तो उसके लिए इंग्लैंड को एजबेस्टन में कड़ी टक्कर दे सकती है। इसके लिए उसे स्पिनरों का उपयोग करना होगा। एजबेस्टन की पिच आमतौर पर तेज गेंदबाजों के अनुकूल मानी जाती है पर चौथे-पांचवें दिन स्पिनर हावी हो जाते हैं।

ऐसे में भारतीय टीम रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव को इंग्लैंड के खिलाफ गेंदबाजी आक्रमण में लगा सकती है। वहीं शुरुआती दिनों में तेज गेंदबाज जसप्रीत जसप्रीत बुमराह और अन्य गेंदबाजों को अपनी अपनी ओर से प्रभावी प्रदर्शन करना होगा। . इंग्लैंड के बल्लेबाज जैसे जॉनी बेयरस्टो और जैक क्राउली पर अंकुश लगाना होगा जिससे वह अच्छी शुरुआत नहीं कर सकें। वहीं बल्लेबाजी के दौरान शुभमन गिल सहित सभी बल्लेबाजों का बड़ी पारी खेलकर मेजाबन टीम पर दबाव बनाना होगा। इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति के खिलाफ उसी अंदाज में जवाब देना होगा तभी भारतीय टीम हावी हो सकेगी।

## स्मिथ को दूसरे टेस्ट के लिए वापसी की उम्मीद

**ब्रिजटाउन।**

ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को उम्मीद है कि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ ग्रेनेडा में होने वाले दूसरे टेस्ट तक फिट हो जाएंगे। स्मिथ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान उंगली में लगी चोट के बाद से ही खेल से दूर हैं। इसी कारण वह वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट भी नहीं खेल पाये हैं। स्मिथ अब अपनी चोट से उबर गये हैं और नंबर 4 पर खेलने की तैयारी में लगे हैं। वह अपनी टीम के साथ भी जुड़ गये हैं। उनके अब अभ्यास सत्र में भी शामिल होने की संभावना है। जिससे वह अपनी लय हासिल कर सकें। स्मिथ को उनकी चोटिल उंगली के लिए एक पतली पट्टी लगाई जाएगी जिससे वह स्लिप में फील्डिंग नहीं कर पाएंगे पर बल्लेबाजी करते समय उन्हें शायद ही कोई परेशानी हो। स्मिथ ने कहा, मेरे लिए, यह सामान्य प्रशिक्षण की तरह ही महसूस होगा। मुझे वास्तव में कोई दर्द या कुछ भी महसूस नहीं होता है और पट्टी से भी अधिक परेशानी नहीं हो रही है हालांकि स्लिप की जगह पर अन्य जग हों पर फील्डिंग करना उनके लिए अजीब होगा। स्मिथ की ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी का मतलब है कि रिजर्व बल्लेबाज जोश इंगलिस को बाहर बैठना होना पड़ेगा। जोस पहले टेस्ट में केवल 5 और 12 रन ही बना पाये थे। ऐसे में उनका बाहर होना तय है। उनके अलावा सैम कोंस्टास और नंबर 3 कैमरून ग्रीन भी असफल रहे थे। स्मिथ को उम्मीद है कि वह शीर्ष क्रम में फिर वापसी कर सकेंगे। वहीं उनका मानना है कि कोंस्टास और ग्रीन आगे इस सीरीज में अच्छा स्कोर करेंगे। स्मिथ ने कहा, ये लोग अच्छे खिलाड़ी हैं, हमें बस उन्हें एक मौका देने की जरूरत है।

# पुरुष एशिया कप हॉकी 2025 से पाकिस्तान का बाहर होना तय

### अभी तक नहीं मिली मंजूरी

**नई दिल्ली।**

बिहार के राजगीर में 29 अगस्त से 9 सितंबर तक पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट 2025 खेला जाएगा। भारत की मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान को शामिल किये जाने की कोई संभावना नहीं हैं। वहीं हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में सरकार के साथ बातचीत जारी है और उसके बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा पर इस अधिकारी के अनुसार जिस प्रकार के तनावपूर्ण संबंध दोनो देशों के बीच हैं उसमें पाक का बाहर होना तय है। पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर को देखते हुए पाकिस्तान पुरुष हॉकी टीम को बाहर करने की मांग तेज हो गयी है। वहीं हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर कहा, हम सरकार के संपर्क में हैं और हम उसके निर्देशों का पालन करेंगे। मौजूदा स्थिति के अनुसार मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान टीम को भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। साथ ही कहा कि हम सरकार के आदेशों के अनुसार ही काम करेंगे।

गौरतलब है कि पुरुषों का एशिया कप 2025-2026 एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप का क्वालीफाइंग इवेंट भी है जिसकी मेजबानी बेल्जियम और नीदरलैंड करेंगे। टूर्नामेंट के विजेता विश्व कप में जगह मिल जाएगी। इसके अलावा भारत एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की भी मेजबानी करेगा, जो 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा। इसमें भी पाक को शायद ही जगह मिले। पहलगाम हमले

के बाद पाकिस्तान को बाहर करने की मांग के कारण भारत में जूनियर इवेंट में उठी है। पाक की पुरुष हॉकी टीम ने अंतिम बार 2023 में भारत का दौरा किया था, जब भारत ने चेन्नई, तमिलनाडु में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी की थी।

## संक्षिप्त समाचार

### दूसरे टेस्ट में सुदर्शन को शायद ही अवसर मिले, करुण बल्लेबाजी में तीसरे नंबर पर उतरेंगे !

**बर्मिंघम।**

यहां बुधवार से शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के बदलावों के साथ उतरने की संभावना है। इसमें पहले टेस्ट में विफल रहे बल्लेबाज साई सुदर्शन को दूसरे टेस्ट में शायद ही जगह मिले। वहीं बल्लेबाज करुण नायर को नंबर 3 पर भेजा जा सकता है। वहीं ऑलराउंडर शार्दुल की जगह नीतीश रेड्डी का खेलना तय है। शार्दुल पहले मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही विफल रहे थे , नीतीश गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी भी करते हैं। वहीं स्पिन ऑलराउंर के तौर पर रविन्द्र जडेजा के साथ वाशिंगटन सुंदर को अवसर मिल सकता है। स्पिनर कुलदीप यादव को अवसर मिलने की संभावना बेहद कम है क्योंकि सुंदर स्पिनर के साथ ही एक अच्छे बल्लेबाज भी हैं। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जाएगा। उनकी जगह पर आकाशदीप सिंह को अवसर मिल सकता है।

### इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शतक के साथ ही रिकार्ड बनाएंगे ऋषभ

**बर्मिंघम।**

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के पास इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक बड़ा रिकार्ड बनाने का अवसर है। इस मैच में शतक बनाते ही वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में शतक के मामले में पूर्व कप्तानी मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। इस शतक के साथ ही ऋषभ इंग्लैंड के खिलाफ शतक के मामले में विराट कोहली को भी पीछे छोड़ देंगे। अभी विराट और ऋषभ पांच शतक लगाकर बराबरी पर हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतकों के मामले में पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर ने सबसे अधिक 7-7 शतक लगाए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर 6 शतक लगाकर अजरुद्दीन है जबकि तीसरे स्थान पर 5-5 शतक लगाकर विराट और ऋषभ हैं। ऋषभ ने पहले टेस्ट की दोनो ही परियों में शतक लगाकर दिया दिया है कि वह शानदार लय में हैं। पहले टेस्ट में उन्होंने आक्रामक के साथ ही रक्षात्मक खेल भी दिखाया था। वह दोनो परियों में शतक लगाने वाले भारत के पहले विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। उनकी बल्लेबाजी से मेजबान टीम के बल्लेबाज परेशान दिखे। ब उनका लक्ष्य इसी सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। ये विकेटकीपर बल्लेबाज विदेशी धरती पर खासा सफल रहा है।

# डीविलियर्स बोले इस प्रकार सभी मैच खेल सकते हैं बुमराह

**जोहांसबर्ग।**

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में ही उतारा जाना तय हुआ है। ऐसे में टीम इंडिया का गेंदबाजी आक्रमण प्रभावित होगा। इसी को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डी विलियर्स ने सुझाव दिया है कि उन्हें बड़ी सीरीजों में खेलना चाहिये और कम महत्वपूर्व सीरीजों में आराम दिया जाना चाहिये ताकि उनकी फिटनेस भी बनी रही। डिविलियर्स ने कहा कि हमारी टीम के तेज गेंदबाज डेल स्टेन यही तरीका अपनाते थे और हर बड़ी सीरीज खेलते थे। डिविलियर्स के अनुसार स्टेन का ये तरीका बुमराह को भी अपनाना चाहिये क्योंकि भी भारतीय टीम के लिए इंग्लैंड सीरीज से अधिक जरुरी अभी कुछ नहीं है। भारतीय टीम पहले ही सीरीज में 0-1 से पीछे हैं। ऐसे में अगर बूमराह सभी मैच नहीं खेलते हैं तो उसे नुकसान होगा।

अब देखना है कि भारतीय टीम प्रबंधन डिविलियर्स के इस सुझाव को मानता है या नहीं। इंग्लैंड दौरा शुरू होने से पहले ही साफ हो गया था कि बुमराह इस सीरीज में तीन मैच ही खेलेंगे। वहीं अब भारत पहला मैच हारकर पिछड़ रहा है, ऐसे में टीम को बुमराह की काफी जरूरत है। इन हालातों में बुमराह अपने कार्यभार प्रबंधन को प्रबंधित कर सीरीज के सभी मैच खेल सकते हैं।

एबी डी विलियर्स ने कहा, वह शायद इस समय सभी फॉर्मेट में दुनिया के शीर्ष गेंदबाज हैं। मेरे विचार से, इस टेस्ट सीरीज उसे सभी पांच मैचों के लिए तैयार रहना चाहिये।

डेल के साथ हमने यही किया, उसे कम महत्वपूर्ण टी20 और एकदिवसीय सीरीज में आराम दिया और उसे बड़े टेस्ट दौरों - ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत - के लिए पूरी तरह से तैयार किया।

## अंडर 19 क्रिकेट - थॉम्स रयू के शतक से इंग्लैंड टीम ने दूसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम को हराया

### सीरीज 1-1 से बराबरी पर पहुंची

**लंदन।**

भारतीय अंडर 19 क्रिकेट टीम को इंग्लैंड अंडर 19 क्रिकेट टीम के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में एक विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भातरीय टीम ने 290 रन बनाये। जिसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को मेजबान इंग्लैंड अंडर 19 टीम ने कप्तान थॉम्स रयू की शतकीय पारी से 9 विकेट पर 291 रन बनाकर हासिल कर लिया। रयू ने 89 गेंदों में 131 रन बनाये। इसी के साथ ही सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ गयी। भारतीय टीम ने पहला मैच जीता था। इस मैच में भारतीय टीम की पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान आयुष महात्रे पारी की शुरुआत करते हुए अपना खाता भी नहीं खोल पाये। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, राहुल कुमार और कनिष्क चौहान ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को 290 रन तक पहुंचाया। वैभव ने 45, विहान ने 49, राहुल ने 47 और कनिष्क ने 45 रन बनाए। वहीं इंग्लैंड की ओर से एम फ्रेंच ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए। इसके अलावा जैक होम ने 3, एलेक्स ग्रीन ने भी 3 विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। बेन डॉकिंस 7 और इसाक मोहम्मद 11 रन बनाकर आउट हो गये। तीसरे नंबर पर उतरे बेन मेस ने 27 रन बनाये। इसके बाद पूर्व क्रिकेटर एंड्रयू फ्लिंटॉफ के बेटे रॉकी फ्लिंटॉफ ने 68 गेंदों में 39 रन बनाकर पारी को संभाला। पांचवें नंबर पर आए रयू ने 131 रन बनाये। अंतिम दो ओवर में इंग्लैंड को 12 रन जीत के लिए चाहिए थे और उसके पास एक ही विकेट था पर उसके बल्लेबाजों फ्रेंच और मार्गन ने ये रन बना लिए। भारतीय टीम की ओर से अंबरिश ने 4 जबकि युद्धजीत गुहा, हेनिल पटेल ने 2-2 विकेट लिए।

## भारतीय टीम ने इसलिए दो रंगों वाली गेंद से अभ्यास किया - सहायक कोच

**बर्मिंघम।**

यहां के एजबेस्टन मैदान मैदान पर भारतीय टीम ने बुधवार से होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए जमकर अभ्यास किया।

इस दौरान खिलाड़ी दो रंग की गेंदों से अभ्यास करते दिखे। जसप्रीत बुमराह आधा सफेद और आधा लाल रंग की गेंद से गेंदबाजी की. इसके बाद टीम के अन्य गेंदबाजों ने भी दो रंगों की गेंद से गेंदबाजी की। भारतीय टीम जब से ही इंग्लैड दौरे पर आई है तभी से हर अभ्यास सत्र में एक से अधिक रंग वाली गेंदों से वह अभ्यास करती रही है। इसको लेकर टीम के सहायक कोच रेयान डेस्कोटे ने कहा कि दो रंग की गेंदों से अभ्यास करने से सीमित ओवरों के प्रारुप में खेलने की आदत वाली सफेद गेंद से खिलाड़ी को छुटकारा मिलता है क्योंकि उसे टेस्ट में लाल गेंद से खेलना होता है। डेस्कोटे ने साथ ही कहा कि वह गेंदबाजों को सीमित ओवरों वाले लाइन लेंथ की आदत में सुधार करना चाहते है और दो रंगों वाली गेंद को संकेत देने का सबसे आसान तरीका माना जाता है, रेयान ने आगे कहा कि हमारे खिलाड़ी आईपीएल के लंबे सत्र के बाद यहां आये हैं जिससे उन्हें सफेद गेंद की आदत पड़ गयी थी। इसलिए गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल की देख रेख में गेंदबाज पिछले दो सप्ताही से अभ्यास में दो रंगों वाली गेंद का उपयोग कर रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि इससे तेज गेंदबाजों की लाइन व लैंथ लीड्स के मुकाबले अच्छी नजर आएगी।

# दूसरे टेस्ट में नई रणनीति और बदलावों के साथ उतरेगी भारतीय टीम : डोशेट

### बुमराह को मिलेगा आराम, कुलदीप पर संशय, सुंदर को मिल सकती है जगह

### शार्दुल की जगह नीतीश होंगे

**बर्मिंघम।**

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां बुधवार से शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अभी तक अपनी टीम घोषित नहीं की है। यहां के एजबेस्टन मैदान पर होने वाले इस मैच को लेकर अनुमान है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जाएगा और स्पिनर कुलदीप यादव या वाशिंगटन सुंदर में से किसी एक अंतिम ग्यारह में शामिल किया जाएगा। वहीं भारतीय टीम के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने भी मीडिया से बात करते हुए कहा कि कहा कि भारतीय टीम नई रणनीति से उतरेगी।

डोशेट ने कहा है कि दूसरे टेस्ट में कम से कम दो बदलाव किये जाएंगे। ऐसे में टीम बर्मिंघम टेस्ट में नए संयोजन के साथ उतर सकती है। डोशेट ने बताया कि तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को बर्मिंघम टेस्ट में आराम दिया जाएगा। कार्यभार प्रबंधन के तहत ही उन्हें यह ब्रेक दिया जा रहा है हालांकि वह लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे टेस्ट में वापसी करेंगे।

बुमराह ने पहले टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन किया था पर फिटनेस बनाये रखने उन्हें आराम दिया जा रहा है।

## एजबेस्टन में बल्लेबाजी के अनुकूल पिच होने की संभावना- वोक्स

**बर्मिंघम।**

भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार से यहां बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे मैच में उतरेगी। यहां गरमी होने के कारण पिच सूखी है जिसको देखते हुए यहां समय बीतने के साथ ही स्पिनरों को भी सहायता मिलने की उम्मीद है। इसी कारण भारतीय टीम अपनी अंतिम ग्यारह का चयन मैच से कुछ समय पहले ही करेंगी। वहीं दूसरे ओर मेजबान इंग्लैंड ने इस मैच के लिए अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। एजबेस्टन के मैदान पर भारतीय टीम आज तक नहीं जीती है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर भारत ने आठ मैच खेले हैं, जिसमें से उसे सात में हार का सामना करना पड़ा है जबकि एक मैच ड्रॉ रहा था। अभी इस सीरीज में मेजबान टीम 1-0 से आगे है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। वहीं इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स एको उम्मीद है कि एजबेस्टन की पिच बल्लेबाजों के अनुरुप होगी। वोक्स ने कहा, हमारे गेंदबाजों ने लीड्स में अच्छी गेंदबाजी की थी और इस मैच में भी हमारा लक्ष्य वही लय बनाये रखना है। साथ ही कहा कि हम एक और ऐसी पिच पर खेलेंगे जो बल्लेबाजी के लिए अच्छी होगी। इस तेज गेंदबाज को उम्मी है कि वह मैच में बेहतर प्रदर्शन कर मार्क वुड की कमी पूरी करने का प्रयास करेंगे। अच्छे मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए यहां गेंदबाजों की राह आसान नहीं रहने की संभावना है। इसी को लेकर वोक्स ने कहा कि हमने पिछले सप्ताह अच्छी तरह से खेला था और वहीं सिलसिला हम यहां भी बनाये रखना चाहेंगे

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# आसान और लाभकारी बिजनेस है मत्स्य पालन कॅरियर के हैं भरपूर अवसर

**2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें।**

भारत भर में मत्स्य पालन एक जाना पहचाना व्यवसाय रहा है। कृषि से इसको जोड़कर जरूर देखा जाता रहा है, किंतु हकीकत में यह काफी उन्नत और लाभकारी व्यवसाय है। वर्तमान में कोरोनावायरस के कारण बड़ी संख्या में गांवों की ओर लोगों का पलायन हुआ है। कई लोगों को रोजगार की समस्या भी उत्पन्न हुई है, क्योंकि जमे जमाए व्यवसाय या फिर शहर में करने वाली नौकरी छूटने के बाद लोग गांव की ओर लौटे हैं। गांव में चूँकि अधिकतर लोगों के पास कम-अधिक जमीन होती ही है और ऐसी स्थिति में मत्स्य पालन उन सबके लिए एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता है।

## तालाब को ठीक से करें तैयार

अक्सर लोग किसी तालाब की खुदाई के बाद तुरंत ही मछली के बीज डाल देते हैं, लेकिन यह ठीक मेथड नहीं है। सबसे पहले तालाब की सफाई करने के बाद उसमें 200 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से चूने का छिड़काव जरूरी है। इसके अलावा महुए की खली और ब्लीचिंग पाउडर डालने से भी मछली पालन के लिए तालाब बेहतर कंडीशन में तैयार हो जाता है। यह सारा कार्य आप ठंड के मौसम में ही कर लें, ताकि ठंड का मौसम बीतते-बीतते मछली का बच्चा डालने योग्य आप का तालाब तैयार हो जाए। साथ ही तालाब में ढैंचा नामक घास भी बोया जाता है, ताकि बाद में वह खाद बन जाए और मछली पालन के लिए उपयुक्त रहे। यह तकरीबन 40 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से तालाब में बोया जाता है। साथ ही गोबर की खाद डालने से भी वनस्पति जल्दी उग जाती है। अगर समय पर तालाब में अच्छी घास नहीं होती है तो गोबर के साथ सुपर फास्फेट और यूरिया का घोल तालाब में डालना लाभकारी हो सकता है। हालांकि मछली का बीज डालने से काफी पहले ही यह कार्य करना चाहिए। मछली का बीज डालने के बाद खाद डालना खतरनाक हो सकता है। उपरोक्त कार्य करने के कम से कम 1 महीने बाद ही तालाब में पानी भरकर, ठंड का मौसम बीतने के बाद मछली का बीज डालें। साथ ही तालाब के पानी की गुणवत्ता और उस में ऑक्सीजन की ठीक मात्रा हो, इसके प्रति अतिरिक्त सजगता आवश्यक है।

## मछलियों की ब्रीड पर खास ध्यान दें

अगर आपका तालाब ठीक ढंग से तैयार हो गया है, किंतु मछलियों के बीज आप सही ढंग से नहीं डालते हैं, तो आपके लिए यह लाभकारी नहीं रहेगा। मुख्य रूप से देशी और विदेशी ब्रीड की मछलियां लोग डालते हैं। इसमें देसी में रोहू, कतला, मृगल इत्यादि प्रचलित प्रजातियां हैं, तो विदेशियों में सिल्वर कॉर्प, ग्रास कार्प इत्यादि प्रमुख हैं। कई लोग जब बाहर से मछली लेकर आते हैं तो उसे एक दो परसेंट नमक के घोल में कुछ देरी के लिए रखते हैं, ताकि अगर मछली के बीज में कोई बीमारी है तो उसका असर कम हो जाए। हालांकि यह बहुत देर तक नहीं होना चाहिए और 2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें। अगर एक या दो मछली आपके तालाब में मर जाती हैं, तो उसे तत्काल निकाल कर बाहर करें समय-समय पर बीज की वृद्धि और उसकी जांच करना आपको नुकसान से बचा सकता है। मछलियों के लिए यूं तो किसी विशिष्ट चारे की जरूरत नहीं होती है, खासकर तब जब आप का तालाब पुराना हो गया हो, किंतु चावल का आटा और मूंगफली की खली इत्यादि मछलियों को तेजी से बढ़ाती हैं। इसके अलावा प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त चारे की मात्रा मछलियों के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध हो, इसके प्रति भी सजग रहें। ध्यान दें मछली का बीज सही क्वालिटी का हो, तो सही मात्रा में भी अवश्य हो, अन्यथा बाद में मछलियां ठीक ढंग से बढ़ेंगी नहीं।

## मार्केट को समझना जरूरी है

अब जब आपके पास मछली के बीज तैयार हो जाते हैं तो आसपास की मार्केट का एक अध्ययन जरूर करें और देखें कि आपके आसपास किस तरह की मछलियों की खपत ज्यादा होती है। लोग आखिर क्या खरीदते हैं?
ऐसे में जब आप मछली मार्केट जाएंगे, तो एक ग्राहक बनकर मछलियों की ब्रीड से लेकर उसकी कीमत तक का पता कर सकते हैं। उसी अनुरूप आप अपनी बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाएं। अगर बड़ी मछलियों की खपत अधिक है, तब आपके तलाब में कम मछलियों का बीज रहना चाहिए, जबकि अगर छोटी मछलियों की खपत है तो तालाब में बीज अगर अधिक भी डालेंगे तो आपको फायदा ही होगा। कुल मिलाकर सही टाइम पर मछलियों को बेचना और सही व्यापारियों से संपर्क में रहना आपको लाभ दिला सकता है। कई बार मछली के व्यापारी आपके तालाब पर आकर खुद ही सारी मछलियां ले जाते हैं। हालांकि रेट में अगर ज्यादा डिफरेंस है तो आप मछलियों को खुद भी मार्केट तक पहुंचा सकते हैं।
इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है। मतलब अगर आपके तालाब में कुछ मछलियां बड़ी हो गई हैं और कुछ मछलियां छोटी हैं, तो बड़ी मछलियों को या तो निकाल कर दूसरे तालाब में डालें या उन्हें मार्केट में भेज दें, क्योंकि बड़ी मछलियों का आहार अधिक होगा और वह छोटी मछलियों का चारा भी खा जाएंगी। इसलिए मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है ताकि मछलियों की ग्रोथ में एक निरंतरता रहे। साथ ही मछलियों में इंटरनल और एक्सटर्नल बीमारी के प्रति सजग रहें, अन्यथा आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपकी पूँजी भारी नुक्सान में बदल गयी। इसके अलावा नई नई जानकारियां आप भिन्न माध्यमों से लेते रहें और अलग-अलग मछली पालकों के संपर्क में रहें। ऐसे में नई चीजें आपको पता चलेंगी।

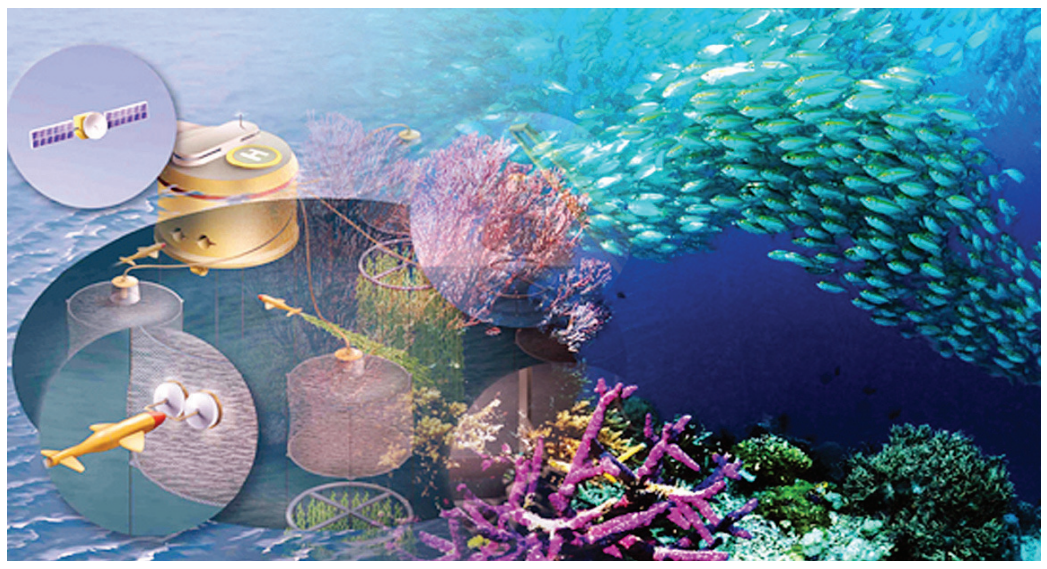

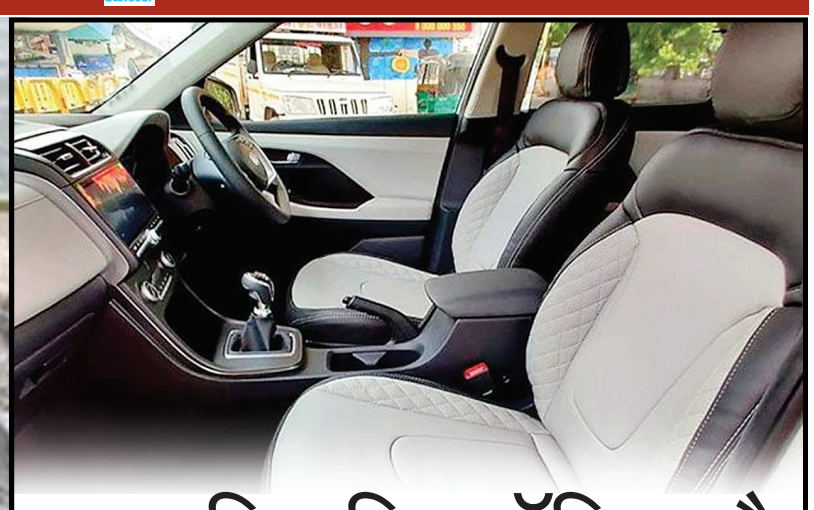

# बहुत क्रिएटिव कॅरियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

**एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।**

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पाट्र्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

## क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं- इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पाट्र्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।

**स्किल्स** - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।

**योग्यता** - एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।

**आमदनी** - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

## प्रमुख संस्थान

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली

# ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के लिए क्या करें?

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।
ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

## ऑपरेशन्स मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

## ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए क्या करें?

अन्य विषयों की तरह प्रबंधन शिक्षा में भी कई विषय होते हैं। प्रबंधन के छात्रों को प्रबंधन के सभी प्रमुख विषयों के अवलोकन के साथ संयुक्त रूप से सामान्य प्रबंधन के तहत विषयों और सिद्धांतों से गुजरना पड़ता है। हालांकि, दो साल की स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा में प्रबंधन की एक विशेष शाखा में विशेषज्ञता का प्रावधान है। प्रबंधन की प्रसिद्ध शाखाओं में विपणन, वित्त, मानव संसाधन आदि शामिल हैं। संचालन प्रबंधन के लिए आपको निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है :

- नेतृत्व
- नीति, योजना और रणनीति की समझ
- नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, लागू करने और समीक्षा करने की क्षमता
- बजट, रिपोर्टिंग, योजना और लेखा परीक्षा की देखरेख करने की क्षमता
- आवश्यक कानूनी और नियामक दस्तावेजों की समझ

इसके साथ-साथ आपको इन बातों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है :

- सुनिश्चित करें कि आप सही मेट्रिक्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं
- मुख्य समस्याओं को पहचानने के लिए हमेशा डेटा का उपयोग करें
- नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ अप-टू-डेट रहने में विश्वास करें
- स्वचालन से पहले प्रक्रियाओं पर ध्यान दें
- ध्यान से लोगों के साथ कम्यूनिकेट करें

## ऑपरेशन्स मैनेजर बनने के लिए आवश्यकता योग्यता

संचालन प्रबंधक के संबंधित क्षेत्र में कम से कम स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की डिग्री के साथ, छात्रों को ज्ञान और विपणन योग्य कौशल विकसित करना होता है, जिसे वे अपने कॅरियर के दौरान बना सकते हैं। इसके अलावा, एक संचालन प्रबंधक होने के लिए, किसी के पास मजबूत नेतृत्व और पारस्परिक कौशल, शानदार संचार और ग्राहक की आवश्यकताओं की समझ होनी चाहिए। संचालन प्रबंधक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता निम्नलिखित है :

विषय संयोजन- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा में कोई भी स्ट्रीम
उम्मीदवारों के पास 10 + 2 + 3 प्रणाली के माध्यम से योग्यता और किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों से उत्तीर्ण के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए
उम्मीदवारों के पास ऑपरेशंस मैनेजमेंट में एमबीए (ऑपरेशंस) या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑपरेशनल मैनेजमेंट में मास्टर्स डिग्री का भी बहुत महत्त्व होता है

## ऑपरेशन्स मैनेजर के जॉब रोल्स

सप्लाई चेन मैनेजर
एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
प्लांट मैनेजर ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
परचेस मैनेजर फैसिलिटी मैनेजर
इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

## रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं :

स्वास्थ्य कॉर्पोरेट व्यवसाय
बहुराष्ट्रीय कंपनियां हॉस्पिटैलिटी
विनिर्माण और खुदरा वित्तीय संस्थाए
बीमा क्षेत्र सूचना प्रौद्योगिकी
ई-कॉमर्स वेयरहाउसिंग
निर्माण सलाहकारी फर्में

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# अब टिकट कैंसल या वेटिंग होने पर नहीं कटेगा चार्ज, पूरा मिलेगा रिफंड

## रेलवे क्लर्क फीस खत्म करने पर कर रहा विचार, यात्रियों को मिलेगी राहत

**नई दिल्ली।**

यात्रियों को रेलवे अब बड़ी राहत देने की तैयारी कर रहा है। यदि कोई टिकट बुक करता है और वह वेटिंग में दिखा रहा है तो कैंसल होने के बाद भी पूरा रिफंड नहीं मिलता है। इसकी वजह होती है कि रेलवे क्लर्क फीस के तौर पर कुछ पैसा काट लेता है। यह चार्ज अलग-अलग क्लास के मुताबिक 30 से 60 रुपए तक होता है। इससे यात्रियों डबल झटका लगता है। एक तरफ उनका टिकट कन्फर्म नहीं होता तो दूसरी तरफ रिफंड भी कटकर मिलता है। अब ऐसी स्थिति से लोगों को बचाने के लिए रेलवे इस फीस को खत्म करने पर विचार कर रहा है।

कैंसल टिकटों पर भी लगने वाले चार्ज पर लंबे समय से बहस चल रही है। अलग-अलग क्लास के हिसाब से यह चार्ज 30 से 60 रुपए कटता है। इस पर आम लोग कई बार शिकायत करते रहे हैं कि आखिर जिन टिकटों को हम खुद कैंसल नहीं कराते और वेटिंग सूची में होने के चलते रद्द होते हैं, उन पर रेलवे क्यों पैसा काटता है। अब इस चार्ज को खत्म करने का प्रस्ताव रेलवे के समक्ष रखा गया है, जिस पर विचार चल रहा है।

फिलहाल 2एस क्लास के कैंसल टिकट 30 रुपए का चार्ज लगता है। 60 रुपए स्लीपर क्लास का चार्ज है और थर्ड एसी समेत अन्य सभी पर 60 रुपए प्लस जीएसटी वसूला जाता है। यह फीस तब लगती है, जब टिकट की बुकिंग आईआरसीटीसी के पोर्टल से की जाए। वेटिंग सूची वाला टिकट कन्फर्म न होने पर टिकट कैंसलेशन की प्रक्रिया ऑटोमेटेड होती है और क्लर्क चार्ज के अलावा कुछ अन्य शुल्क काटकर रकम वापस मिलती है। बता दें फाइनेंशियल ईयर 2025 में रेलवे को रिकॉर्ड 2.7 लाख करोड़ रुपए की कमाई हुई है। यह इजाफा मालवाहक ट्रेनों और यात्री ट्रेनों से हुआ है। इसके अलावा रेलवे के यात्रियों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। रेलवे को माल ढुलाई से 1.75 लाख करोड़ का राजस्व मिला। इसके अलावा यात्रियों की संख्या 735 करोड़ रही।

बता दें रेलवे को टिकट कैंसलेशन चार्ज से भी बड़ा राजस्व मिलता है। एक आरटीआई के जवाब में दी गई जानकारी से पता चला कि रेलवे ने 2020 से 2023 के दौरान 4 सालों में अकेले टिकट कैंसलेशन चार्ज से ही 6 हजार करोड़ का राजस्व हासिल किया।

## संक्षिप्त समाचार

### पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम महाराजा अग्रसेन के नाम पर रखा जाए

**रेलमंत्री वैष्णव से दिल्ली सीएम रेखा ने पत्र लिखकर की मांग**

**नई दिल्ली।**

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन को लेकर भारतीय रेलवे को एक पत्र लिखा है। दिल्ली की सीएम ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर महाराजा अग्रसेन के नाम पर करने की मांग की है। महाराजा अग्रसेन को सामाजिक न्याय में उनके योगदान के लिए जाना जाता है। यह जानकारी बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं ने दी। सीएम रेखा ने रेल मंत्री से व्यक्तिगत रूप से इस प्रस्ताव पर ध्यान देने का अनुरोध किया है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि मैं आपसे विनम्र अनुरोध करती हूं कि पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम महाराजा अग्रसेन के नाम पर किया जाए। बीजेपी के एक नेता ने बताया कि यह पत्र पिछले सप्ताह भेजा गया था। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, जिसे दिल्ली जंक्शन के नाम से जाना जाता है। यह दिल्ली का एक प्रमुख स्थान है और उत्तर भारत के कई बड़े शहरों से आने-जाने वाली ट्रेनों का अहम केंद्र बिंदु है। 19वीं सदी में ब्रिटिश शासन में बना यह स्टेशन दिल्ली का सबसे पुराना और सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशन है। अपने पत्र में सीएम रेखा ने कहा कि स्टेशन का नाम बदलना महाराजा अग्रसेन की स्थायी विरासत को ÷उचित सम्मान÷ देगा। उन्होंने लिखा कि यह एक ऐसे नेता को सम्मानित करेगा, जिन्होंने समानता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामूहिक प्रगति की दृष्टि से कई पीढ़ियों को प्रेरित किया है। रेलवे स्टेशनों का नाम बदलना रेल मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आता है।

### राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने जीवनरक्षकों को दी शुभकामनाएं

**प्रधानमंत्री मोदी सहित कई नेताओं ने डॉक्टरों की निःस्वार्थ सेवा को बताया प्रेरणादायक**

**नई दिल्ली।**

हर साल की तरह इस वर्ष भी 1 जुलाई को राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस पूरे देश में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जा रहा है। यह दिन चिकित्सा क्षेत्र में डॉक्टरों की निःस्वार्थ सेवा, समर्पण और मानवीय योगदान को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर देशभर के डॉक्टरों को बधाई देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, डॉक्टर दिवस पर सभी मेहनती डॉक्टरों को शुभकामनाएं। हमारे डॉक्टरों ने अपने कौशल, करुणा और परिश्रम से लोगों के जीवन में विश्वास जगाया है। वे वास्तव में स्वास्थ्य के रक्षक और मानवता के स्तंभ हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा, डॉक्टर मानवता की वह शक्ति हैं, जो अपने समर्पण के माध्यम से जीवन बचाते हैं। उनकी निःस्वार्थ सेवा को मेरा सलाम। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने डॉक्टरों को उम्मीद और उपचार का प्रतीक बताते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सफेद कोट पहनने वाले ये नायक हमारे जीवन में हिम्मत और राहत लेकर आते हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और कर्नाटक के डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार ने भी डॉक्टरों को श्रद्धांजलि दी और उन्हें समाज का प्रेरणास्रोत बताया। राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस प्रसिद्ध चिकित्सक और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय की जयंती और पुण्यतिथि के अवसर पर मनाया जाता है। इस दिन देशभर में डॉक्टरों के सम्मान में कार्यक्रम, संगोष्ठियां और स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किए जाते हैं।

### झारखंड के खूंटी में भाजपा नेता की हत्या मामले में 10 आरोपी गिरफ्तार

**आरोपियों के पास से तीन देसी कट्टा, दो पिस्टल, 14 जिंदा गोलियां व अन्य सामग्री बरामद**

**रांची।**

झारखंड के खूंटी जिले के काड़ेतुबिद गांव में भाजपा नेता और ग्राम प्रधान बलराम मुंडा की हत्या की घटना को पुलिस ने मात्र 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। इस हत्या के मामले में कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से दो आरोपी बलराम मुंडा के ही गांव के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार शनिवार-रविवार की रात अपराधियों ने बलराम मुंडा के घर पर हमला किया। वे तीन किलोग्राम अफीम की लूट के इरादे से आए थे, जिसकी सूचना उन्हें मिली थी। जब घर की तलाशी लेने के बाद अफीम नहीं मिली तो उन्होंने बलराम मुंडा की गोली मारकर और धारदार हथियार से हत्या कर दी। इस दौरान बलराम के भांजे आचू मुंडा पर भी हमला किया गया, जिससे वे घायल हो गए। खूंटी के एसपी ने बताया कि इस हत्या के पीछे का मास्टरमाइंड बुधराम हस्सा उर्फ मास्टर है, जो मारंगहादा थाना क्षेत्र के गड़ामड़ा गांव का निवासी है। बाकी आरोपी भी खूंटी जिले के अलग-अलग गांवों के रहने वाले हैं।

## कलराज मिश्र ने मनाया 84वां जन्मदिन, राजस्थान व हिमाचल के रह चुके हैं राज्यपाल

**नई दिल्ली।**

बीजेपी के कद्दावर नेता और राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र आज यानी 1 जुलाई को 84वां जन्मदिन मना रहे हैं। राजस्थान से पहले वह हिमाचल प्रदेश के भी राज्यपाल रह चुके हैं। संघ से जुड़ने के बाद कलराज मिश्र आरएसएस के पूर्णकालिक प्रचारक बने। गाजीपुर के मलिकपुर में 1 जुलाई 1941 को कलराज मिश्र का जन्म हुआ था। वह पहले आरएसएस से जुड़े और फिर वह भारतीय जनता युवा मोर्चा के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष बनें। अयोध्या आंदोलन के श्रेय के हकदार कलराज मिश्र भी थे। जिस दौरान यह आंदोलन हुआ था, उस समय कलराज मिश्र प्रदेश के अध्यक्ष और विधायक थे। साल 1991 के विधानसभा चुनाव से पहले और बाबरी ढांचे के खिलाफ आंदोलन के दौरान कई कार्यकर्ताओं की जान गई थी। तब कलराज मिश्र ने पूरे विश्वास के साथ कहा था कि इस विधानसभा चुनाव में उनको बहुमत मिलेगा और वह अपने दम पर सरकार बनाएंगे। जिसके बाद बीजेपी ने बहुमत से सरकार बनाई और साल 1991 में कल्याण सिंह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। मोदी सरकार में कलराज मिश्र के पास लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्यम मंत्रालय था। उस दौरान पूर्वांचल यूपी में उन्होंने अपने मंत्रालय के जरिए काफी योजनाएं बनाईं और आर्थिक क्रांति लाने की कोशिश की। पूर्वांचल में आर्थिक करवट लाने का योगदान कलराज मिश्र को ही जाता है। कलराज मिश्र अटल बिहारी बाजपेयी के करीबी रहे और वह यूपी प्रदेश में बीजेपी का ब्राह्मण चेहरा रहे। जब कलराज मिश्र को राजस्थान में राज्यपाल का पद मिला, तब ऐसा लगा जैसे पार्टी ने दिग्गज नेता के साथ इंसाफ किया है। कलराज मिश्र ने बेदाग छवि के साथ लंबी राजनीतिक पारी खेली है।

## सिंधु जल संधि की बहाली के लिए भारत के सामने गिड़िगड़ाया पाकिस्तान

### हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय के फैसले की दे रहा दुहाई

**नई दिल्ली।**

पहलगाम अटैक के बाद भारत के एक्शन से पाकिस्तान में हड़कंप मचा हुआ है। यही वजह है कि वह भारत के सामने गिड़िगड़ा रहा है। एक बार फिर पाकिस्तान ने भारत से सिंधु जल संधि को बहाल करने का आग्रह किया है। भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के एक दिन बाद ही सिंधु जल समझौता स्थगित करने की घोषणा कर दी थी। पाकिस्तान ने कहा है कि हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय का हालिया फैसला दिखाता है कि समझौता अब भी 'वैध और क्रियाशील' है। सिंधु जल संधि के प्रावधानों के तहत दो पनबिजली परियोजनाओं की डिजाइन के कुछ पहलुओं पर पाकिस्तान की ओर से आपत्ति उठाए जाने के बाद स्थायी मध्यस्थता न्यायालय में कार्यवाही चली, जिसे भारत ने मान्यता नहीं दी। भारत ने इस फैसले को दृढ़ता से खारिज करते हुए कहा कि उसने पाकिस्तान के साथ विवाद समाधान के तथाकथित ढांचे को कभी मान्यता नहीं दी है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि 27 जून को मध्यस्थता न्यायालय की ओर से सुनाए गए पूरक निर्णय 'पाकिस्तान की इस स्थिति की पुष्टि करता है कि सिंधु जल संधि वैध और क्रियाशील है और भारत को इसके बारे में एकतरफा कार्रवाई करने का कोई अधिकार नहीं है। बयान में कहा गया कि हम भारत से आग्रह करते हैं कि वह सिंधु जल संधि के सामान्य कामकाज को तुरंत बहाल करे और संधि के अपने दायित्वों को पूरी तरह और ईमानदारी से पूरा करे। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा है कि मध्यस्थता अदालत के फैसले से यह पुष्टि हो गई है कि सिंधु जल संधि पूरी तरह वैध है। डार ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान किशनगंगा-रातले मामले में अपने अधिकार क्षेत्र की पुष्टि करने वाले मध्यस्थता न्यायालय के पूरक निर्णय का स्वागत करता है। यह फैसला पुष्टि करता है कि सिंधु जल संधि पूरी तरह से वैध है। भारत इसे एकतरफा रूप से स्थगित नहीं रख सकता है। देशों को अंतरराष्ट्रीय समझौतों के पालन से मापा जाता है। सिंधु जल संधि को अक्षरशः और भावना, दोनों रूप से बरकरार रखा जाना चाहिए। बता दें सिंधु जल समझौते पर भारत के फैसले से पाकिस्तान में सूखा है और पानी न मिलने से फसलें बर्बाद हो रही हैं।

## 'सिगाची इंडस्ट्रीज' में हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या 34 हुई

### 31 शवों को मलबे से निकाला, सीएम करेंगे घटनास्थल का दौरा

**संगारेड्डी।**

तेलंगाना में संगारेड्डी जिले में पशम्यलारम में 'सिगाची इंडस्ट्रीज' के दवा संयंत्र में सोमवार को हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है।

एसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि मलबे को हटाते समय उसके नीचे कई शव मिले हैं। मलबे से 31 शवों को निकाला गया है, जबकि तीन लोगों की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। बचाव अभियान अब भी जारी है।

तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने बताया कि सीएम ए रेवंत रेड्डी मंगलवार को दुर्घटना स्थल का दौरा करेंगे. इससे पहले एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि सीएम ने घटना पर दुख जताया और मलबे में फंसे श्रमिकों को बचाने के लिए हरसंभव कदम उठाने और उन्हें आधुनिक उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। राज्य के मंत्री नरसिम्हा ने बताया कि जब विस्फोट हुआ तब संयंत्र में करीब 90 लोग काम कर रहे थे। बता दें पीएम नरेन्द्र मोदी ने इस हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के लिए दो-दो लाख रुपए और घायलों के लिए 50-50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की थी।

## दिल्ली में अब 15 साल पुराने वाहन चलाया तो भरना होगा भारी जुर्माना

### पेट्रोल पंपों पर पुलिस, परिवहन और नगर निगम की टीमें करेंगी निगरानी

**नई दिल्ली।**

आप घर से निकलने से पहले हो जाएं सावधान।

राजधानी दिल्ली में मंगलवार से एंड ऑफ लाइफ व्हीकल यानी तय समयसीमा पूरी कर चुके वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू हो गई है।

अब 15 साल से ज्यादा पुरानी पेट्रोल गाड़ियों और 10 साल से पुरानी डीजल गाड़ियों को न तो सड़कों पर चलने की इजाजत होगी और न ही इन्हें ईंधन मिलेगा। दिल्ली सरकार ने इन पुराने वाहनों की धरपकड़ और जब्ती के लिए सख्त प्रावधान लागू किए हैं।

ऐसे वाहन पकड़े जाने पर मालिक को 10,000 रुपये का चालान भरना होगा।

वहीं जिन दोपहिया वाहनों की उम्र पूरी हो चुकी है, उनकी जब्ती पर पांच हजार रुपए का जुर्माना लगेगा।

इस अभियान के तहत दिल्ली के 350 पेट्रोल पंप चिन्हित किए गए हैं। इनमें से 100 सबसे व्यस्त पेट्रोल पंपों पर दिल्ली पुलिस की टीमें तैनात रहेंगी।

59 पंपों पर परिवहन विभाग के अधिकारी निगरानी करेंगे। वहीं 91 संवेदनशील पेट्रोल पंपों पर संयुक्त टीमें तैनात होंगी, जिनमें दिल्ली पुलिस और ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट दोनों होंगे।

100 कम संवेदनशील पंपों की निगरानी नगर निगम के कर्मचारी करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में करीब 62 लाख ऐसे वाहन हैं जो अब ईओएल की कैटेगरी में आते हैं। इनमें 41 लाख दोपहिया और 18 लाख चारपहिया वाहन हैं। एनसीआर के अन्य जिलों में भी बड़ी संख्या में ऐसे वाहन हैं। इनमें हरियाणा में 27.5 लाख, यूपी में 12.4 लाख और राजस्थान में 6.1 लाख वाहन हैं। इस अभियान को लेकर सरकार की मंशा साफ है कि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सड़कों से पुराने और जहरीला धुआं फैलाने वाले वाहनों को हटाना।

## यूपी, महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में जल्द होगा प्रदेश अध्यक्ष के नामों का ऐलान

### इसके बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव पर होगा फैसला

**नई दिल्ली।**

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव पर फैसला लगातार डिले हो रहा है, लेकिन अब फैसले की घड़ी करीब है। राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करने के लिए करीब आधे राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष तय होने चाहिए। अब तक यूपी, महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश जैसे कई बड़े राज्यों सहित 12 स्टेट यूनिट्स पर फैसला रुका हुआ था। अब इसकी शुरुआत हो गई है। सोमवार को मिजोरम के लिए के. बेइचुआ का नाम तय हुआ। वहीं पुदुचेरी के लिए वीपी रामलिंगम का नाम तय हुआ। यहीं नहीं तेलंगाना के लिए के. रामचंद्र राव का नाम तय माना जा रहा है और किसी भी समय ऐलान हो सकता है। इनके अलावा जल्दी ही यूपी, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के अध्यक्ष भी जल्दी ही तय हो जाएंगे। भाजपा सूत्रों का कहना है कि तेलंगाना, मिजोरम और पुदुचेरी में चुने गए अध्यक्षों में कॉमन फैक्टर रहा है कि वे सभी आरएसएस के बैकग्राउंड से आते हैं। इसतरह अन्य राज्यों में भाजपा हाईकमान इसतरह के लोगों को ही तवज्जो देने के मूड में है, जो संघ से जुड़े रहे हों या फिर उन्हें लाने से राज्य के सामाजिक समीकरण पूरे होते है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार आंध्रप्रदेश से पीवीएन माधव का नाम तय माना जा रहा है।

वे पुराने कार्यकर्ता हैं और उनका परिवार संघ से जुड़ा रहा है। इसके अलावा वे ओबीसी वर्ग से आते हैं। वहीं तेलंगाना में रामचंद्र राव ब्राह्मण समुदाय के नेता हैं। राज्य से ओबीसी बंदी संजय कुमार और जी. किशन रेड्डी केंद्र में मंत्री हैं। इसके बाद अब एक ब्राह्मण नेता को कमान देकर बैलेंस बनाया गया है। उत्तराखंड में महेश भट्ट को फिर से प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जो ब्राह्मण हैं। वहीं राजपूत लीडर पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री हैं। राज्य की राजनीति में ब्राह्मणों और राजपूतों का दबदबा रहा है और उनकी यहां आबादी भी अधिक है। ऐसी ही स्थिति हिमाचल प्रदेश की भी है। हिमाचल प्रदेश में राजीव बिंदल को ही अध्यक्ष नियुक्त किया है। वे वैश्य समुदाय से हैं। समीकरण यह है कि जेपी नड्डा ब्राह्मण हैं और केंद्र में मंत्री हैं। राजपूत लीडर जयराम ठाकुर नेता विपक्ष हैं।

## लेखक रबींद्रनाथ टैगोर के पत्र 6 करोड़ में नीलामी, उनकी बनाई मूर्ति भी बिकी

### नीलामी में 1927 से 1936 के बीच लिखे गए पत्रों को शामिल किया गया

**नई दिल्ली।**

भारतीय लेखक और नोबल पुरस्कार विजेता डॉ रबींद्रनाथ टैगार के पत्रों की नीलामी हुई, जिन्हें करीब 6 करोड़ रुपए में खरीदा गया। इतना ही नहीं खरीदार ने उनकी बनाई एक छोटी सी मूर्ति के लिए भी एक करोड़ रुपए से ज्यादा की कीमत चुकाई। यह नीलामी 26 और 27 जून को हुई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक नीलामी में टैगोर द्वारा उनके करीबी सहयोगी, समाजशास्त्री, संगीतशास्त्री और विश्वासपात्र धुर्जति प्रसाद मुखर्जी को साल 1927 से 1936 के बीच लिखे गए पत्रों को शामिल किया गया था।

इनमें से बारह पत्रों को अहम स्थानों जैसे विश्व-भारती, उनके उत्तरायण स्थित निवास, दार्जिलिंग के ग्लेन ईडन और यहां तक कि उनके हाउसबोट पद्मा से लिखा गया था। इस नीलामी में पांडुलिपियां भी शामिल थीं।

नीलामी कराने वाली एजेंसी के चीफ मार्केटिंग अधिकारी ने कहा कि यह सिर्फ एक साहित्यिक संग्रह नहीं है यह नोबेल पुरस्कार विजेता का उनके अपने शब्दों में लिखा आत्म-चित्र है।

इस पत्राचार में दार्शनिक विचारों, कलात्मक चर्चाओं से लेकर गहरे व्यक्तिगत भावनाओं तक की झलक मिलती है। टैगोर के पत्र कभी-कभी बाजार में आते हैं। इतना व्यापक और बौद्धिक रूप से गहरा संग्रह अत्यंत दुर्लभ है। टैगोर के अहम पत्राचार का अधिकांश हिस्सा संस्थागत अभिलेखागार में संरक्षित है, जिससे सार्वजनिक डोमेन में ऐसे प्रस्ताव अत्यंत असामान्य हो जाते हैं।

नीलामी कराने वाली एजेंसी के मुताबिक यह कलेक्शन एक निजी संग्रहालय से आया है, जिसमें विस्तृत जानकारी दी गई है। इस सेट में शामिल कई पत्र पहले ही प्रमुख पत्रिकाओं और पुस्तकों में प्रकाशित हो चुके हैं। नीलामी में पेश किए गए 35 हस्तलिखित पत्रों और 14 लिफाफों को करीब 5.9 करोड़ रुपए में बेचा गया। यह पत्रों की अपने आप में दूसरी सबसे महंगी नीलामी है। पत्रों के अलावा नीलामी में टैगोर द्वारा बनाई गई एकमात्र ज्ञात मूर्ति 'द हार्ट' भी शामिल थी।

## शिवकाशी में एक पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 5 की मौत, कई झुलसे

### एक किलोमीटर तक सुनाई दी आवाज, पूरा इलाका दहला

**शिवकाशी।**

तमिलनाडु के शिवकाशी में एक पटाखा फैक्टी में मंगलवार सुबह बड़ा धमाका हो गया, जिसमें कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई। विस्फोट से पूरा इलाका दहल उठा। शिवकाशी में ही मुर्गा छाप पटाखों का कारखाना है। यह विस्फोट शिवकाशी के पास सेंगमालापट्टी में एक निजी पटाखा इकाई में हुआ। जानकारी के मुताबिक यहां रसायनों को मिलाते समय घर्षण के कारण यह विस्फोट हुआ। इस हादसे में कई लोगों के हताहत होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और स्थानीय लोगों के मुताबिक यह विस्फोट मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे सेंगमालापट्टी के पास श्री सुदर्शन फायरवर्क्स इकाई में हुआ। उस समय यहां करीब 80-100 कर्मचारी काम कर रहे थे। फैक्टरी से कुछ लोगों को बाहर निकाला गया, जो कि बुरी तरह झुलस गए थे। विस्फोट इतना जोरदार था कि इसकी आवाज एक किलोमीटर दूर तक सुनाई दी और परिसर से धुआं निकलता देखा गया। लोगों ने बताया कि विस्फोट के बाद इकाई में रखे पटाखों में लगातार छोटे-छोटे धमाके हो रहे हैं, जिसके कारण बचाव दल को परिसर में प्रवेश करने में कठिनाई हो रही है।

मीडिया रिपोर्ट में एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग सहम गए। दमकल विभाग को सूचना दी गई लेकिन लगातार विस्फोटों के कारण कोई भी इकाई के अंदर नहीं जा सका। शिवकाशी भारत में 90 फीसदी से ज्यादा पटाखों का उत्पादन करता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त समाचार

### शादी के लिए अमेरिका गई भारतीय युवती लापता, 20 जून को हुई थी रवाना

**न्यूयॉर्क , एजेंसी।** अमेरिका के न्यू जर्सी राज्य में अरेंज मैरिज के लिए गई भारतीय युवती सिमरन (24) गायब हो गई है। पुलिस ने बताया कि सिमरन 20 जून को रवाना हुई थी। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में युवती को फोन देखते और किसी का इंतजार करते देखा जा सकता है। लिंडेनवोल्ड पुलिस ने बताया कि वीडियो में युवती परेशान नजर नहीं आ रही थी। यह भी संभावना जताई जा रही है कि उसका शादी का कोई इरादा नहीं था और वह सिर्फ अमेरिका की मुफ्त में यात्रा करना चाहती थी। सिमरन की लंबाई 5 फीट 4 इंच और वजन 68 किलो बताया गया है। उसके माथे के बाईं ओर एक छोटा सा निशान है। वह आखिरी बार ग्रे स्वेटपैंट, व्हाइट टी-शर्ट, ब्लैक फ्लिप फ्लॉप और हीरे जड़े छोटे झुमके पहने देखी गई थी। पुलिस ने बताया कि अमेरिका में उसका कोई रिश्तेदार नहीं है और वह अंग्रेजी नहीं बोलती। उसका फोन सिर्फ वाई-फाई से ही काम करता है। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस भारत में उसके रिश्तेदारों से भी संपर्क नहीं कर पाई है।

### ब्राजील के पूर्व नेता जेयर बोल्सोनारो ने अपने केस के विरोध में रैली की

**साओ पाउलो, एजेंसी।** ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने रविवार को अपने खिलाफ चल रहे सुप्रीम कोर्ट के केस का विरोध करने के लिए साओ पाउलो शहर में एक रैली में हिस्सा लिया। यह रैली शहर की एक बड़ी सड़क पॉलिस्ता एवेन्यू पर हुई, जहां हजारों लोग इकट्ठा हुए। बोल्सोनारो ने इस प्रदर्शन को आजादी और न्याय के लिए एक कदम बताया। बोल्सोनारो और उनके 33 साथियों पर 2022 के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे पलटने और सत्ता में बने रहने की साजिश का आरोप है। उन पर कुल 5 आरोप लगे हैं। बोल्सोनारो ने इन आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि उनके साथ राजनीतिक बदला लिया जा रहा है। अगर वह दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें 12 साल की जेल हो सकती है।

### तुर्की पुलिस ने इस्तांबुल प्राइड मार्च में हिस्सा ले रहे 50 से ज्यादा लोगों हिरासत में लिया

**इस्तांबुल, एजेंसी।** तुर्की में पुलिस ने रविवार को इस्तांबुल प्राइड मार्च में शामिल होने की कोशिश कर रहे 50 से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले लिया। यह कार्रवाई पिछले कई वर्षों से इस मार्च पर लगाई जा रही रोक का हिस्सा है। शहर में कई जगहों पर भारी संख्या में पुलिस तैनात थी, जिसकी वजह से लोग एक जगह इकट्ठा नहीं हो पाए और आयोजकों को बार-बार जगह बदलनी पड़ी। रुद्धक्षत्त्न अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठन और पत्रिका काओस जीएल के प्रधान संपादक यिल्डिज तार ने एक्स पर बताया कि कुल 54 लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें 6 वकील भी शामिल हैं। रविवार शाम तक इनमें से 7 लोगों को छोड़ दिया गया था, लेकिन 47 अभी भी पुलिस हिरासत में हैं।

### पाकिस्तान में अफगान शरणार्थियों को वापस भेजने का तीसरे चरण शुरू

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान की सरकार अफगान शरणार्थियों को वापस अफगानिस्तान भेजने के लिए सोमवार से तीसरा चरण शुरू कर रही है। इसका पाकिस्तान में रह रहे करीब 14 लाख अफगानियों पर असर होगा। मानवाधिकार संगठनों और नागरिक अधिकार समूहों ने पाकिस्तान सरकार की इस कार्रवाई पर चिंता जाहिर की है। पाकिस्तान सरकार ने 30 जून तक पंजीकृत अफगान शरणार्थियों को स्वेच्छा से वापस जाने का निर्देश दिया था। अब जबरन इन लोगों को वापस अफगानिस्तान भेजा जाएगा। कई अफगान शरणार्थियों ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सुरक्षाबलों द्वारा उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है।

### नेपाल में भूकंप के झटके

**काठमांडू, एजेंसी।** भारत के पड़ोसी देश नेपाल में रविवार को भूकंप के झटके महसूस हुए। भूकंप के इन झटकों की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 3.9 मैग्नीट्यूट मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 14 किलोमीटर नीचे थे। इससे पहले रविवार को ही नेपाल में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिनकी तीव्रता 4.2 मापी गई थी। इनका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। नेपाल भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील है और भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट्स के टकराने से यहां भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं। नेपाल हिमालयी क्षेत्र का हिस्सा है और ये इलाका भूकंप के लिहाज बेहद सक्रिय है।

### हॉल ऑफ फेम के हॉर्स ट्रेनर डी. वेन लुकास का निधन

**लुइसविले, एजेंसी।** हॉल ऑफ फेम के हॉर्स ट्रेनर डी. वेन लुकास का 89 साल की आयु में निधन हो गया। उन्हें घुड़दौड़ की दुनिया में सबसे कामयाब और मशहूर ट्रेनरों में गिना जाता था। उनके परिवार ने बताया कि लुकास का शनिवार रात केंटकी के लुइसविले स्थित घर पर निधन हो गया। परिवार के अनुसार, लुकास एक गंभीर संक्रमण से पीड़ित थे, जिससे उनके दिल और पाचन तंत्र को काफी नुकसान पहुंचा और उनकी पुरानी बीमारियां और भी बिगड़ गईं।

# ईरान के शीर्ष शिया धर्मगुरु ने डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहू के खिलाफ जारी किया फतवा

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान के शीर्ष शिया धर्मगुरु ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ फतवा जारी किया है। उन्होंने उसमें दुनिया भर के मुसलमानों से एकजुट होने की अपील की है। 12 दिनों तक चलते ईरान और इजरायल के बीच जंग के बाद ट्रंप ने 24 जून को संघर्ष विराम का ऐलान किया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अयातुल्लाह नसीर मकरम शिराजी ने फतवा जारी किया है, जिसमें ट्रंप और नेतन्याहू को दुश्मन बताया है। उन्होंने लिखा, यह साफ है कि इस्लामिक व्यवस्था के किसी व्यक्ति और खासतौर से सुप्रीम लीडर को जान से मारने की धमकी देना मना है और धार्मिक रूप से निषेध है। उन्होंने कहा, उनका बचाव करना और ऐसी धमकियां देने वाले आरोपियों को जवाब देना जरूरी है। साथ ही पवित्रता का उल्लंघन करना सबसे बड़े पापों में से एक है। उन्होंने इस्लामिक गणतंत्र के नेतृत्व को धमकी देने वाले अमेरिकी और इजरायली नेताओं के खिलाफ कार्रवाई का आह्वान किया है। फतवा में यह भी कहा गया है, उस दुश्मन के लिए मुसलमानों या इस्लामिक मुल्कों की तरफ से किसी भी तरह का सहयोग देना हराम है। यह जरूरी है कि दुनिया भर के मुसलमान इन दुश्मनों को उनके शब्दों और गलतियों के लिए पछतावा कराएं। ईरानी सैन्य कमांडरों को लाखों लोगों ने दी अंतिम विदाई इजरायल के साथ 12 दिनों के युद्ध के दौरान मारे गए रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख और अन्य वरिष्ठ सैन्य कमांडरों तथा परमाणु वैज्ञानिकों की अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए शनिवार को तेहरान की सड़कों पर लाखों लोग उमड़ पड़े। रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख जनरल हुसैन सलामी, इसके बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के प्रमुख जनरल आमिर अली हाजीजादेह और अन्य के ताबूतों को ट्रकों पर रखकर राजधानी की आजादी स्ट्रीट से ले जाया गया। इस दौरान सड़क किनारे खड़े लोगों ने 'अमेरिका मुर्दाबाद और इजरायल मुर्दाबाद के नारे लगाए। जनरल सलामी और हाजीजादेह दोनों 13 जून, यानी युद्ध के पहले दिन ही मारे गए थे, जब इजरायल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने के उद्देश्य से व्यापक सैन्य अभियान शुरू किया था। इस अभियान में सैन्य कमांडरों, वैज्ञानिकों और परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। ईरान को इजराइल से सीजफायर पर भरोसा नहीं ईरान ने इजराइल के साथ युद्धविराम पर शक जताया। ईरान के चीफ ऑफ स्टाफ अब्दोलरहीम मूसवी ने रविवार को सऊदी रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान से फोन पर बातचीत में कहा- हमें दुश्मन (इजराइल) के साथ युद्धविराम पर शक है। अगर फिर से कोई हमला हुआ, तो हम उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। मूसवी ने कहा कि जब ईरान अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में व्यस्त था, तब इजराइल ने उस पर हमल कर दिया और अमेरिका ने उसका साथ दिया। इससे पता चलता है ये दोनों देश किसी भी अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून का पालन नहीं करते। उन्होंने यह भी कहा- जंग हमने शुरू नहीं की है, लेकिन हमने हमलावर को अपनी पूरी ताकत से जवाब दिया। दोनों अधिकारियों ने डिफेंस के साथ- साथ कई द्विपक्षीय मुद्दे पर भी बात की। इजराइल और ईरान के बीच 12 दिन की लड़ाई के बाद 24 जून को सीजफायर हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसका ऐलान किया है। इस लड़ाई में ईरान के 610 और इजराइल के 28 लोग मारे गए।

## ब्रिटेन में गूंजे भगवान जगन्नाथ के जयकारे, रथ यात्रा में पहुंचे एक हजार श्रद्धालु, डीएचसी ने निभाई छेरा रस्म

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन में भी जगन्नाथ रथ यात्रा की धूम रही। यूनाइडेट किंगडम (यूके) के स्लॉ में भगवान जगन्नाथ के जयकारे गूंजे। जगन्नाथ सोसाइटी यूके द्वारा आयोजित रथ यात्रा में एक हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए। रथ यात्रा में भारतीय उच्चायोग में भारत के उप उच्चायुक्त सुजीत घोष ने छेरा पहारना की रस्म निभाई। यूके में भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर लिखा कि उप उच्चायुक्त (डीएचसी) सुजीत जॉय घोष ने स्लॉ में जगन्नाथ सोसाइटी यूके द्वारा आयोजित भव्य रथ यात्रा में भाग लिया। उन्होंने पवित्र छेरा पहारना अनुष्ठान किया। एक हजार से अधिक भक्त समारोह में शामिल हुए। छेरा पहारना रथ यात्रा के सबसे महत्वपूर्ण रीति-रिवाजों में से एक है। इस अनुष्ठान में देवताओं के सामने रथ को साफ किया जाता है। जो भगवान के सामने विनम्रता और समानता का प्रतीक है। ओडिशा के पुरी में भी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जा रही है। यह भव्य यात्रा पुरी के जगन्नाथ मंदिर से शुरू होकर गुंडिचा मंदिर तक जाती है। जगन्नाथ रथ यात्रा में भक्तों का सैलाब उमड़ा है। यह यात्रा 27 जून को शुरू हुई और आठ जुलाई को भगवान जगन्नाथ के जगन्नाथ मंदिर में वापस लौटने के साथ समाप्त होगी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के पवित्र अवसर पर सभी देशवासियों को मेरी ढेरों शुभकामनाएं। श्रद्धा और भक्ति का यह पावन उत्सव हर किसी के जीवन में सुख, समृद्धि, सौभाग्य और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए, यही कामना है। जय जगन्नाथ!

## ढाका एयरपोर्ट पर बांग्लादेश के एडवाइजर आसिफ महमूद के बैग में एके-47 की मैगजीन मिली

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश के ढाका एयरपोर्ट पर रविवार को देश की अंतरिम सरकार के एडवाइजर आसिफ महमूद



साजिब भुइयां के बैग से एके-47 राइफल की मैगजीन मिली। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से जांच के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। आसिफ महमूद राजनयिक पासपोर्ट (नंबर डी00018185) पर इस्लामिक देशों के संगठन की बैठक में भाग लेने के लिए मोरक्को के माराकेश जा रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आसिफ महमूद ढाका एयरपोर्ट पर आइडेंटिफिकेशन और सिक्योरिटी चेक के लिए नौवें बोर्डिंग ब्रिज पर थे। स्कैनिंग के दौरान उनके कैरी-ऑन हैंड बैगेज में मेटल का सामान डिटेक्ट हुआ। स्कैनर पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने आसिफ महमूद से बैग ले लिया और मैगजीन को उनके बैग से बाहर निकाला गया। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत अपने से सीनियर अधिकारियों को बुलाया। इसके बाद बांग्लादेशी सुरक्षा एजेंसी के अधिकारी भी पहुंचे, लेकिन जांच के बाद आसिफ महमूद को तुर्किये एयरलाइंस की फ्लाइट टीके-713 में जाने की इजाजत दे दी गई। इस फ्लाइट ने सुबह 7:08 बजे उड़ान भरी थी। आसिफ महमूद ने रविवार रात को फेसबुक पर एक पोस्ट में घटना पर अपनी सफाई दी। उन्होंने कहा, मेरे पास व्यक्तिगत और पारिवारिक सुरक्षा के लिए लाइसेंसी बन्दूक है। सुबह पैकिंग करते समय, मैंने गलती से एक मैगजीन अपने बैग में छोड़ दी। जब स्कैनिंग के दौरान पता चला, तो मैंने अपना बैग तुरंत प्रोटोकॉल अधिकारी को सौंप दिया। यह पूरी तरह से अनजाने में हुआ था। आसिफ ने कहा, मैं सिर्फ एक मैगजीन से क्या कर सकता था? अगर मेरा कोई बुरा इरादा होता, तो मैं राइफल घर पर नहीं छोड़ता। हालांकि, इस घटना को लेकर न तो चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस और न ही गृह मंत्रालय के एडवाइजर लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) जहांगीर आलम चौधरी ने कोई बयान दिया है।

## यूरोपीय देशों में हीटवेव, स्पेन में तापमान 46 डिग्री पहुंचा; जून में गर्मी ने 60 सालों का रिकॉर्ड तोड़ा

**बार्सिलोना, एजेंसी।** यूरोप के कई देश भीषण हीटवेव की चपेट में हैं। स्पेन में सबसे ज्यादा गर्मी है, जहां के ज्यादातर इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। स्पेन की राज्य मौसम विज्ञान एजेंसी एईएमईटी के मुताबिक, एल ग्रैनाडो शहर में शनिवार को 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एईएमईटी के मुताबिक, स्पेन में जून के दौरान गर्मी ने 60 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे पहले स्पेन के सेविले में आखिरी बार जून, 1965 में 45.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। स्पेन, फ्रांस, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बोस्निया, हर्जेगोविना, हंगरी, सर्बिया, स्लोवेनिया और स्विटजरलैंड में हीटवेव जारी रहने की आशंका है। पुर्तगाल, इटली और क्रोएशिया में हीटवेव का रेड अलर्ट है। बार्सिलोना में, शनिवार को एक महिला सफाईकर्मी की गर्मी से मौत हो गई। इटली में बुजुर्गों, कैंसर रोगियों और बेघर लोगों में हीटस्ट्रोक के मामले बढ़ गए हैं। रोम ने 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए शहर के स्विमिंग पूल में फ्री सर्विस का ऐलान किया है। पश्चिमी बाल्कन के देशों में भी तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो गया है। सर्बिया ने 19वीं सदी में तापमान रिकॉर्ड करना शुरू करने के बाद से अब तक का सबसे ज्यादा तापमान दर्ज किया।

# कम्युनिस्ट ममदानी को सुधरना होगा, खूब बरसे डोनाल्ड ट्रंप तो जोहरान ने भी दिया जवाब

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी से उम्मीदवार बने जोहरान ममदानी पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तीखा वार किया है। ममदानी को कम्युनिस्ट बताते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें सुधार लाना होगा। यदि उन्होंने ऐसा नहीं किया और वे न्यूयॉर्क के मेयर बने तो हम शहर को मिलने वाले फंड में कटौती कर देंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि ममदानी का कैंडिडेट की रेस में जीतना चौंकाने वाला है और इस पर यकीन नहीं हो रहा। वह एक प्योर कम्युनिस्ट व्यक्ति हैं। ट्रंप ने कहा, मैं स्पष्ट कहता हूं। मैं राष्ट्रपति हूं और यदि उसने अपने रवैये में सुधार नहीं किया तो फिर उन्हें कोई पैसा नहीं मिलेगा। उन्हें सुधार लाना होगा या पैसा नहीं मिलेगा।

वहीं डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर जोहरान ममदानी ने भी पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मैं कम्युनिस्ट नहीं हूं, जैसा कि मेरे बारे में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है। इसके अलावा ममदानी ने फिर दोहराया कि वह अरबपतियों पर ज्यादा टैक्स लगाने के पक्ष में हैं। ममदानी ने कहा कि मैं नहीं मानता कि हमें अरबपतियों की जरूरत है। ममदानी ने कहा कि नहीं, मैं कम्युनिस्ट नहीं हूं। ममदानी ने कहा कि राष्ट्रपति अब ये सवाल उठा रहे हैं कि मैं कौन हूं, कैसा दिखता हूं और कहां से आया हूं। असल बात यह है कि




वह उन मुद्दों से ध्यान हटाना चाहते हैं, जिनके लिए मैं लड़ रहा हूं।

ममदानी ने कहा कि मैं तो मार्टिन लूथर किंग जूनियर से प्रभावित हूं। उन्होंने कहा था कि लोकतंत्र में लोकतांत्रिक समाजवाद होना चाहिए। देश के सभी लोगों के लिए संसाधनों का उचित बंटवारा होना चाहिए। इसके साथ ही ममदानी ने फिर से दोहराया कि वे अमीरों पर टैक्स ज्यादा लगाएंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे बहुत से लोग हैं, जिन्हें ज्यादा टैक्स देना पड़ रहा है, जबकि उनकी कमाई कम है और घर भी छोटा है। लेकिन बाहरी इलाकों में अमीर लोगों ने बड़े-बड़े घर बनाए हैं और उनसे ज्यादा टैक्स लिया जा सकता है। ममदानी ने कहा- मैं नहीं मानता कि अरबपतियों की कोई जरूरत है भारतीय मूल की फिल्ममेकर मीरा नायर के बेटे और डेमोक्रेटिक कैंडिडेट ममदानी ने कहा कि मैं नहीं मानता कि हमें अरबपतियों की जरूरत है। इसकी वजह से ही गैरबराबरी आती है। हमें जरूरत है कि पूरे शहर में समानता की स्थिति हो। पूरे प्रांत में हो और फिर पूरे देश में हो। उन्होंने कहा कि मैं न्यूयॉर्क शहर को बेहतर बनाने के लिए अरबपतियों के साथ भी काम करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि यह नस्ल की बात नहीं है। मसला यह है कि किन लोगों से टैक्स कम लिया जा रहा है और कौन टैक्स के बोझ में दबे जा रहे हैं।

# चिली में सत्ता बदलने की आहट: कम्युनिस्ट नेता जीनेट की बड़ी जीत, अब राष्ट्रपति पद के लिए दक्षिणपंथियों से जंग

**सैंटियागो, एजेंसी।** चिली में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। यहां वामपंथी पार्टियों की ओर से हुए प्राइमरी चुनाव में कम्युनिस्ट नेता जीनेट जारा ने चौंकाने वाली जीत दर्ज की है। जारा ने अपनी मुख्य प्रतिद्वंद्वी कैरोलिना टोहा को आसानी से हरा दिया। इस जीत के साथ ही जारा अब मौजूदा सरकार की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार होंगी।

51 साल की जीनेट जारा चिली के कम्युनिस्ट पार्टी की सदस्य हैं और राष्ट्रपति गैब्रिएल बोरिक की सरकार में श्रम मंत्री रह चुकी हैं। उन्होंने 60.5 प्रतिशत वोट हासिल कर अपने प्रतिद्वंद्वी टोहा को पीछे छोड़ दिया, जिन्हें महज 27.7 प्रतिशत वोट मिले। इस जीत के बाद जारा ने कहा कि आज से हम एक नए रास्ते पर चलेंगे, जिसका मकसद चिली को ज्यादा न्यायसंगत और लोकतांत्रिक बनाना है। दक्षिणपंथ के खतरे के सामने हम एकजुटता, संवाद और उम्मीद से जवाब देंगे।

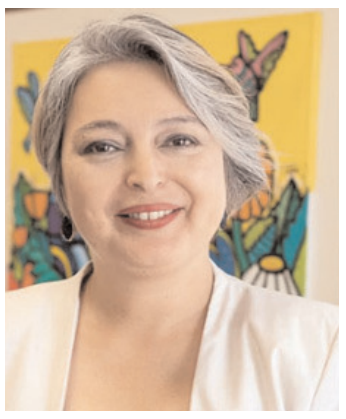



**कैसी है जीनेट जारा की छवि :** जारा की छवि पार्टी के दूसरे कट्टर नेताओं के मुकाबले कुछ नरम और कूटनीतिक मानी जाती है। श्रम मंत्री के तौर पर उन्होंने न्यूनतम वेतन बढ़ाने और हफ्ते में काम के घंटे घटाकर 40 करने जैसे कदमों के लिए तारीफ बटोरी। उनकी तुलना देश की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचेलेट से की जा रही है, जिन्होंने चिली में महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुधारों के लिए अहम भूमिका निभाई थी।

**आसान नहीं होगा मुकाबला :** हालांकि, जारा के सामने चुनौतियां कम नहीं हैं। चिली में फिलहाल आर्थिक सुस्ती, संगठित अपराध और अप्रवासन को लेकर जनता में चिंता बढ़ रही है। इन मुद्दों के चलते देश में दक्षिणपंथी नेताओं को समर्थन तेजी से बढ़ रहा है। खासतौर पर अल्ट्रा-राइट नेता जोस एंटोनियो कास्ट और पूर्व श्रम मंत्री एवलीन मत्तेई लोकप्रियता में आगे चल रहे हैं। मत्तेई अपने व्यापार समर्थक एजेंडे से निवेशकों को भी लुभा रही हैं।

**कब होंगे राष्ट्रपति चुनाव :** चिली में 16 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होंगे, जिसमें देश 2026 से 2030 तक के लिए नया राष्ट्रपति चुनेगा। मौजूदा राष्ट्रपति गैब्रिएल बोरिक दोबारा चुनाव नहीं लड़ सकते। ऐसे में जीनेट जारा वामपंथी मोर्चे की उम्मीद बनी हैं, लेकिन उनके सामने दक्षिणपंथ की बड़ी चुनौती खड़ी है। चुनाव नतीजे यह तय करेंगे कि चिली का भविष्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा।

# चीन ने पाकिस्तान को 3.4 बिलियन डॉलर का कर्ज दिया

**बीजिंग, एजेंसी।** भीख लेकर देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने वाले पाकिस्तान की मदद के लिए पुराना साथी चीन एक बार फिर आगे आया है। चीन ने हाल ही में पाकिस्तान को 3.4 बिलियन डॉलर का कर्ज दिया है। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि पाकिस्तान को बीते कुछ दिनों में मिडिल ईस्ट के अन्य करदाताओं से भी लोन मिला है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था की डूबती नैया को पार लगाने के लिए ये लोन किसी संजीवनी से कम नहीं है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पाकिस्तान को मिडिल ईस्ट के वाणिज्यिक करदाताओं से 1 बिलियन अमरीकी डॉलर का अतिरिक्त कर्ज भी मिला है। वहीं पाक ने बहुपक्षीय फंडिंग से भी करीब 500 मिलियन अमरीकी डॉलर जुटाए हैं। हालिया मिले लोन की मदद से पाकिस्तान को अपने विदेशी मुद्रा भंडार को सम्मानजनक स्तर तक बढ़ाने में मदद मिलेगी।

**पाक को मिली संजीवनी :** दरअसल पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार बेहद कम है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोषकी शर्तों के मुताबिक पाकिस्तान के पास 30 जून यानी मौजूदा वित्तीय



वर्ष के अंत तक कम से कम 14 बिलियन अमरीकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार होना चाहिए। ऐसे में ढ्ढरूस्न की शर्तों को पूरा करने के लिए पाकिस्तान को बेसब्री से मदद का इंतजार था।

**आईएमएफ से भी मिली थी भीख :** बता दें कि व्यापक स्तर पर हुए विरोध के बावजूद पाकिस्तान को हाल ही में आईएमएफ से एक अरब डॉलर का लोन मिला था। भारत की चिंताओं को दरकिनार करते हुए ढ्ढरूस्न ने हवाला दिया था कि पाकिस्तान ने लोन लेने के लिए सभी शर्तों को पूरा किया था। भारत ने चिंता जताई है कि पाक इस कर्ज का प्रयोग सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कर सकता है।

# चीन ने जापानी सीफूड पर दो साल पुराना प्रतिबंध हटाया, फुकुशिमा विवाद पर भी दी आंशिक राहत

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन ने जापानी समुद्री खाद्य पदार्थों पर लगभग दो साल से लगा प्रतिबंध आखिरकार हटा दिया है। यह प्रतिबंध साल 2023 में लगाया गया था, जब जापान ने फुकुशिमा परमाणु संयंत्र से हल्का रेडियोधर्मी पानी समुद्र में छोड़ने की योजना पर अमल शुरू किया था। अब चीन ने ऐलान किया है कि जापान के ज्यादातर हिस्सों से समुद्री खाद्य उत्पादों का आयात फिर से शुरू किया जाएगा।

फुकुशिमा का परमाणु संयंत्र साल 2011 में आई विनाशकारी सुनामी में गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुआ था। संयंत्र में आज भी ईंधन को ठंडा करने के लिए लगातार पानी डाला जाता है। यह पानी बाद में टैंकों में इकट्ठा होता था। वर्षों तक बहस के बाद जापानी सरकार ने इस पानी को समुद्र में धीरे-धीरे छोड़ने की अनुमति दी, लेकिन इसके लिए रेडियोधर्मी तत्वों को पहले हटा दिया गया।

**इन फैसलों पर क्या बोला चीन :** जापान का कहना है कि यह पानी अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों से भी ज्यादा सुरक्षित है और इसका पर्यावरण पर कोई गंभीर प्रभाव नहीं पड़ेगा। लेकिन चीन इससे सहमत नहीं था। चीन ने अगस्त 2023 में जापानी समुद्री खाद्य पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह जापान के मत्स्य उद्योग के लिए बड़ा झटका था क्योंकि चीन जापानी समुद्री खाद्य का सबसे बड़ा विदेशी बाजार था, जो कुल निर्यात का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा था।

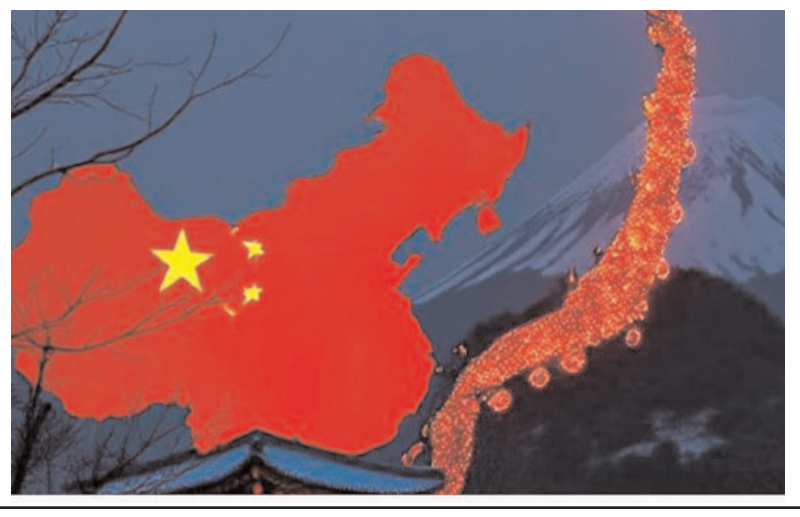

**फिलहाल पूरी ढील नहीं :** हालांकि चीन ने अब प्रतिबंध में ढील दी है, लेकिन फुकुशिमा समेत जापान के 10 प्रांतों से आने वाले समुद्री खाद्य पर अभी भी रोक जारी



रहेगी। चीनी कस्टम एजेंसी ने कहा है कि जापानी कंपनियों को फिर से पंजीकरण कराना होगा और सभी आयातित खाद्य पदार्थों के साथ रेडियोधर्मी जांच प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य प्रमाण पत्र और मूल देश प्रमाण पत्र देना अनिवार्य होगा।

**जापान के लिए बड़ी राहत :** इस फैसले को जापानी उद्योग के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, खासतौर पर उन क्षेत्रों के लिए जो चीन में अपने उत्पाद बेचते थे। हालांकि, पूरी तरह से बाजार खोलने के लिए दोनों देशों के बीच अभी और कूटनीतिक बातचीत होनी बाकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम जापान-चीन के आर्थिक संबंधों में सुधार का संकेत है, लेकिन फुकुशिमा मुद्दे पर चीन की चिंता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सूरत साचिन में 14 वर्षीय लापता छात्र का शव तालाब में मिला

# पिता बोले - छात्र को पीटा और धमकी दी गई थी, प्रिंसिपल ने भी मारा; FIR दर्ज होने तक शव स्वीकार नहीं करेंगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com




सूरत के साचिन GIDC क्षेत्र में 14 वर्षीय एक लापता छात्र का शव एक तालाब में तैरती हुई हालत में मिला है। परिजन कई दिनों से उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल रहा था। जैसे ही उन्हें अपने इकलौते बेटे की जानकारी मिली, वे घटनास्थल पर दौड़ते हुए पहुंचे। चूंकि यह घटना संदिग्ध मानी जा रही है, इसलिए शव का फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम कराया गया है।

**पिता का आरोप जब तक FIR दर्ज नहीं होगी, शव स्वीकार नहीं करेंगे**

मृतक छात्र के पिता ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उनके बेटे को स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले एक छात्र ने पीटा था। जब मामला सचीन में सरस्वती स्कुल प्रिंसिपल के पास ले जाया गया, तो उन्होंने भी छात्र को मारा। इसके अलावा उसी छात्र ने उनके बेटे को जान से मारने की धमकी भी दी थी - कहा था कि "दो दिन में तुझे मार दूंगा।" पिता का आरोप है कि इन सब घटनाओं के बाद उनका बेटा साइकिल लेकर घर से निकल गया था, और अब उसका शव तालाब में मिला है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक प्रिंसिपल और उस आरोपी छात्र के खिलाफ स्ह्वक्र दर्ज नहीं की जाती, तब तक वे शव को स्वीकार नहीं करेंगे।

**पुलिस और फॉरेंसिक जांच**

घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम ने पोस्टमॉर्टम किया है और पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है। यह साफ नहीं है कि मामला आत्महत्या है या इसके पीछे कोई गहरी साजिश छिपी है। परिजनों की मांग को लेकर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

इस घटना ने स्कूल प्रबंधन और पुलिस पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने भी इस मामले में न्याय की मांग की है।

## पुलिसकर्मी ने व्यापारियों को मां-बहन की गालियां दी और थप्पड़ मारे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लालगेट पुलिस थाना क्षेत्र के सोदागर वाड़ इलाके में फास्ट फूड की दुकान चलाने वाले तीन युवकों को एक पुलिसकर्मी द्वारा मारपीट और मां-बहन की गालियां देने का मामला सामने आया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज वायरल होने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि व्यापारी ने देर रात तक दुकान खुली रखी थी, जिसके लिए कानूनन कार्रवाई की जा सकती थी, लेकिन इसके बजाय पुलिसकर्मी ने खुद ही कानून हाथ में लेते हुए बदसलूकी और मारपीट की, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। मामले में DCP ने जांच के आदेश दिए हैं।

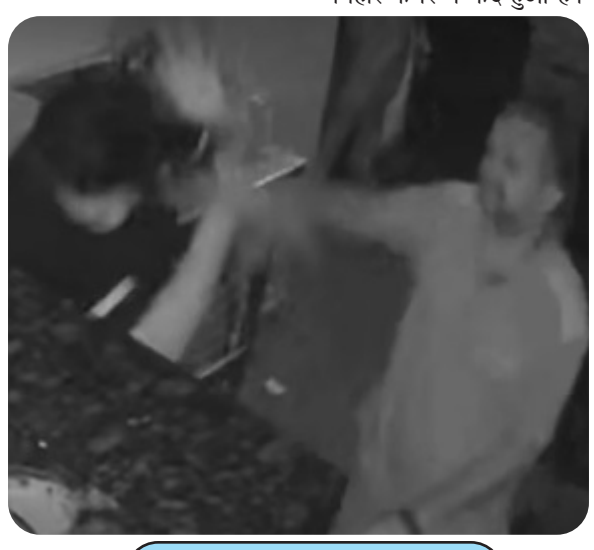



**CCTV वीडियो वायरल होने पर पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल, DCP ने जांच के आदेश दिए**

**दुकान में मौजूद तीन लोगों को मारे थप्पड़, दी गालियां**

यह घटना 28 जून 2025, शनिवार रात करीब 2 बजे की है। पीसीआर वैन से आए एक पुलिसकर्मी ने बॉम्बे फास्ट फूड नामक दुकान में प्रवेश किया। सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि दुकान में घुसते ही पुलिसकर्मी सबसे पहले दुकानदार वसीम सैयद के भाई को चार थप्पड़ मारता है। फिर वह वसीम को एक थप्पड़ मारता है। इसके बाद अंदर जाकर दुकान में काम कर रहे एक कर्मचारी को भी तीन थप्पड़ मारता है। इस प्रकार एक के बाद एक कुल सात थप्पड़ मारते हुए पुलिसकर्मी का व्यवहार कैमरे में कैद हुआ है।

**युवक हाथ जोड़कर मांगते रहे माफी, पुलिसकर्मी देता रहा गालियां**

वीडियो फुटेज में यह भी देखा गया कि जब पुलिसकर्मी मारपीट कर रहा था, तब तीनों युवक हाथ जोड़कर उससे माफी मांगते रहे और उसके पैरों में भी गिरे। बावजूद इसके पुलिसकर्मी गालियां देता रहा। CCTV कैमरे में न सिर्फ वीडियो बल्कि ऑडियो भी कैद हुआ है, जिसमें गालियों की आवाज़ें साफ सुनी जा सकती हैं।

**DCP ने दी जांच की जानकारी**

इस पूरे मामले में DCP पिनाकिन परमार ने बताया कि दुकान संचालक को कई बार समय पर दुकान बंद करने के लिए कहा गया था, लेकिन उसने बार-बार चेतावनी के बावजूद देर रात तक दुकान चालू रखी। इतना ही नहीं, शटर बंद कर छुपकर बिक्री करते हुए भी उसे पकड़ा गया था। हालांकि जो घटना घटी है, वह गंभीर है और इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है। यदि पुलिसकर्मी दोषी पाया गया, तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

## उमरगाम GIDC में फैक्ट्री हादसा

# लोहे का स्ट्रक्चर गिरने से एक मजदूर की मौत चार घायल, मजदूरों में डर का माहौल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com




वलसाड जिले के उमरगाम GIDC क्षेत्र स्थित बावन हेक्टेयर की GB Pack प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। फैक्ट्री परिसर में कच्चे माल से भरा लोहे का भारी स्ट्रक्चर अचानक भरभराकर गिर गया, जिसकी चपेट में आकर कई मजदूर घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्ट्रक्चर पर क्षमता से अधिक रॉ मटेरियल रखा गया था, जिसके दबाव में वह टूटकर नीचे गिर गया। हादसे के समय करीब आठ मजदूर मौके पर काम कर रहे थे, जिनमें से पांच बुरी तरह दब गए।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और उमरगाम पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। चार मजदूरों को गंभीर हालत में अस्पताल भेजा गया है, जबकि एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक को उसके परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हादसे के बाद फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूरों में दहशत का माहौल है। स्थानीय मजदूर संगठनों और नागरिकों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर लापरवाही और अवैध निर्माण कार्य का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी के चलते ही यह जानलेवा हादसा हुआ।

इस घटना ने एक बार फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं कि फैक्ट्रियों में मजदूरों की सुरक्षा को लेकर कितनी जिम्मेदारी से काम किया जा रहा है।

फिलहाल उमरगाम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, मजदूर संगठनों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

## टाटा टेम्पो से 2.84 लाख की विदेशी शराब जब्त

# वलसाड एलसीबी की बड़ी कार्रवाई कुल 7.84 लाख का मुद्दामाल बरामद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड, वलसाड जिला लोकल क्राइम ब्रांच (एलसीबी) ने शराब माफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक टाटा टेम्पो से 2,84,160 मूल्य की विदेशी शराब बरामद की है। टेम्पो की कीमत 5 लाख आंकी गई है। इस प्रकार कुल 7,84,160 के अवैध मुद्दामाल को जब्त किया गया है।

इस कार्रवाई को वलसाड जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. करनराज वाघेला (IPS) तथा मे.सुरत रेंज के पुलिस महानिरीक्षक प्रेमवीर सिंह (IPS) के निर्देशन और एलसीबी वलसाड के पुलिस इंस्पेक्टर उत्सव बारोट के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया।

एलसीबी के एएसआई हरदेवसिंह रणजीतसिंह राणा को गुप्त सूचना मिली थी कि मुंबई से गुजरात की ओर अवैध शराब का परिवहन हो रहा है। सूचना के आधार पर एलसीबी टीम ने पारडी तालुका में वल्लभ आश्रम स्कूल के सामने, नेशनल हाइवे नंबर 48 पर निगरानी बढ़ाई। इस दौरान एक टाटा टेम्पो (MH-48-J-0438) को रोका गया। तलाशी लेने पर उसके पिछले हिस्से में छिपाकर रखे गए विदेशी शराब के 29 बॉक्स, जिसमें कुल 660 बोतल/टिन (310.920 लीटर) व्हिस्की व बीयर पाई गई।

टेम्पो चालक मौके से फरार हो गया है, जिसकी पहचान और तलाश की जा रही है।

**बरामद मुद्दामाल:**

टाटा टेम्पो MH-48-J-0438 —5,00,000/-
विदेशी शराब (व्हिस्की/बीयर) 29 बॉक्स, 660 बोतल/टिन — 2,84,160/-
कुल मूल्य — 7,84,160/-

इस संबंध में पारडी थाने में प्राथमिकी (FIR नं. 11200038252658/2025) दर्ज की गई है। आरोपी के खिलाफ गुजरात निषेध अधिनियम की धारा 65(ए)(ई), 98(2), 116(ख) के तहत मामला दर्ज किया गया है। जब्त माल को जांच हेतु पारडी पुलिस को सौंप दिया गया है।

**कार्रवाई में शामिल अधिकारी:**

इस कार्रवाई को एलसीबी वलसाड के पोलिस उप निरीक्षक जे.बी. धनेशा, हेड कॉन्स्टेबल जयरामभाई देसाई और एएसआई हरदेवसिंह राणा ने टीम वर्क के माध्यम से अंजाम दिया।

वलसाड पुलिस की यह कार्रवाई शराब तस्करी के खिलाफ जारी मुहिम की एक और अहम कड़ी है।

## महिलाओं के हुनर के साथ पर्यावरण सुरक्षा का संदेश

**श्रृंगार उत्सव" एग्ज़िबिशन का भव्य शुभारंभ**

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा आयोजित दो दिवसीय च्श्रृंगार उत्सवज्ज एग्ज़िबिशन का भव्य शुभारंभ मंगलवार को सिटीलाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के पंचवटी हॉल एवं द्वारका हॉल में किया गया।

महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में संध्या सिंह गहलोत धर्मपत्नी अनुपम सिंह गहलोत पुलिस कमिश्नर सूरत ने दीप प्रज्वलित कर भव्य आयोजन का उद्घाटन किया।

प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग को देखते हुए, इस एग्जीबिशन में कागज़ के थैलों को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। एग्ज़िबिशन में फैशन, हैंडमेड राखियां, घरेलू सजावट, ज्वेलरी, बुटीक परिधान, हेल्थ एवं वेलनेस प्रोडक्ट्स के स्टॉल्स लगे हैं। एग्जीबिशन में डिसएबल बच्चों द्वारा खुद के द्वारा बनाए गए पेपर बैगस का प्रदर्शन किया। एग्जीबिशन में हर घंटे लकी ड्रा खोला जा रहा है। आयोजन में महिला शाखा की सरोज अग्रवाल, रुचिका रुंगटा, सीमा कोकडा, प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी, सत्यभामा अग्रवाल, अनिता केडिया, सुषमा दारूका, शकुन अग्रवाल, सरोज अग्रवाल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रही।

## मिशन अस्पताल बिल्डिंग की गैलरी का स्लैब गिरा दुकानें बंद होने से टली बड़ी दुर्घटना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अठवालाइंस इलाके में स्थित मिशन अस्पताल की बिल्डिंग में रोड की तरफ मौजूद महेश पावभाजी, मढ़ी की खमणी जैसी रेस्टोरेंट और दुकानों के ऊपर की गैलरी का स्लैब सोमवार रात अचानक गिर गया। इन दुकानों और रेस्टोरेंट में रोजाना सैकड़ों-हजारों लोगों की आवाजाही होती है। यदि यह स्लैब दिन में गिरता तो एक बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। लेकिन सौभाग्यवश यह हादसा रात के समय हुआ, जब दुकानें बंद थीं, जिससे कोई जानहानि नहीं हुई।

अठवालाइंस पर स्थित मिशन अस्पताल की बिल्डिंग के रोड की ओर के हिस्से में कई कमर्शियल दुकानें और रेस्टोरेंट हैं, जहां रोज हजारों लोग आते-जाते हैं। सोमवार रात इस बिल्डिंग की गैलरी का हिस्सा अचानक गिर गया। स्लैब गिरते समय दुकानें और रेस्टोरेंट बंद थे, और कोई आवाजाही नहीं थी, इसलिए कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, दुकानदारों को भारी नुकसान हुआ है।



**मेट्रो कार्य के कारण कंपन के बाद टूटा स्लैब**

इस बीच एक स्थानीय दुकानदार ने बताया कि जब से मेट्रो का काम शुरू हुआ है, तब से उन्हें काफी परेशानी हो रही है। स्लैब गिरने से पहले मेट्रो के कार्य के कारण बिल्डिंग में कंपन महसूस किया गया था, उसके बाद स्लैब गिरा। इसके अलावा दुकानदारों ने आरोप लगाया कि मेन रोड पर स्थित इस बिल्डिंग में गैलरी का स्लैब गिरने के बावजूद नगर निगम प्रशासन या फायर विभाग की ओर से कोई सहायता नहीं मिली है। कोई अधिकारी या कर्मचारी घटनास्थल पर नहीं पहुंचा। दुकानदार खुद ही स्लैब का मलबा हटाने में लगे हुए हैं।

## भारत में गुलाब से बनी पहली छः फिट की लबूबू डॉल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,चाईना की लबूबू डॉल अभी की सबसे ज़्यादा वायरल डॉल है। भारत में फिल्मस्टार, युवा वर्ग इसको अपने साथ रख रहा है। इसकी साइज बहुत छोटी होती है।

भारत में सूरत की शिवांगी अग्रवाल ने गुलाब के फूलों से भारत की पहली छः फीट की लबूबू डॉल बनाई है। कुछ अलग करने की चाह को लेकर उसने सबसे वायरल डॉल बनाई। शिवांगी अग्रवाल ने बताया की छः लोगों की मदद से इसको बनाने में चार दिन का समय लगा। छः फीट की डॉल में 1500 से ज़्यादा गुलाब के फूल का इस्तेमाल किया गया। शिवांगी अग्रवाल पिछले चार साल से फूलों से अलग अलग तरह के बुके और फूलों की बास्केट बना रही है।

# "साइबर सुरक्षा" पर सेमिनार का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वेसु स्थित अग्रवाल विद्या विहार इंग्लिश कॉलेज में मंगलवार को विद्यार्थियों के लिए च्साइबर सुरक्षाज्ज विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी ने बताया कि सेमिनार में मुख्य वक्ता डॉ. मौलिक शाह ने छात्रों को साइबर सुरक्षा के लिए अपनाई जाने वाली महत्वपूर्ण सावधानियों से अवगत कराया। यदि छात्रों का डेटा सुरक्षित नहीं है, तो इससे व्यक्तिगत नुकसान से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक का खतरा उत्पन्न हो सकता है । इसलिए इस सेमिनार का आयोजन नई सदी की सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा आवश्यकता के रूप में, साइबर सुरक्षा के बारे में, जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से किया गया था। सेमिनार में अनेकों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर अग्रवाल महाविद्यालय के मुख्य सलाहकार डॉ. यू.टी. देसाई, प्रभारी प्राचार्य डॉ. गौतम दुआ के अलावा महाविद्यालय के अनेकों व्याख्यातागण उपस्थित रहे ।